RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 खुद पर भरोसा है : वाणी...

वर्ष : 27 अंक : 288 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 06 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान आज

दो चरणों में हो सकता है चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल आज बजेगा। चुनाव आयोग आज बिहार विधानसभा चुनाव-2025 कार्यक्रम की घोषणा करेगा। इसको लेकर चुनाव आयोग ने शाम 4 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। आयोग के सूत्रों के मुताबिक बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराये जा सकते हैं।

बिहार की 243 सदस्यीय राज्य विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से अक्टूबर के अंत में मनाए जाने वाले छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया है, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में बाहर काम करने वाले लोग त्योहारों के लिए घर लौटते हैं।

राज्य में 2020 के विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी के साये में तीन चरणों में हुए थे। इस बार कई राजनीतिक दलों ने एक फेज में चुनाव कराने की मांग की है। चुनाव आयोग आज इस पर

अपना अंतिम फैसला सुना देगा।

इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त बिहार का दो दिवसीय दौरा कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। अपनी विजिट में उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, वहीं जिम्मेदार अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए। उम्मीद लगाई जा रही हैं कि बिहार में दो चरणों में मतदान हो सकता है। पहला चरण 5 व 10 नवंबर 2025 के बीच तथा दूसरा चरण 10 नवंबर के बाद 14 व 15 नवंबर 2025 को कराया जा सकता है। वहीं, रविवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट कर दिया था कि आगामी विधानसभा चुनाव 22 नवंबर से पहले संपन्न हो जाएगी, क्योंकि 22 नवंबर को वर्तमान कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

आयोग ने 4 और 5 अक्टूबर को बिहार का दौरा किया, जहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने राजनीतिक दलों, अधिकारियों, पुलिस और सिविल सोसाइटी से मुलाकात की। इस दौरान कानून-व्यवस्था, व्यय निगरानी और मतदान केंद्रों की व्यवस्था पर चर्चा हुई। राजनीतिक दलों ने चरणों की संख्या पर सुझाव दिए और आयोग ने छठ पूजा (18-28 अक्टूबर) और दिवाली को ध्यान में रखते हुए शेड्यूल तैयार किया है। मतदान संभवतः छठ के बाद

पटनावासियों को मेट्रो रेल की सौगात

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले पटनावासियों को मोदी की सौगात मिली है। पटना में लंबे इंतजार के बाद मेट्रो रेल सेवा की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार सुबह 11 बजे पाटलिपुत्र बस डिपो (आईएसबीटी) से पटना मेट्रो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विधानसभा स्पीकर विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद सीएम ने मेट्रो ट्रेन से भूतनाथ स्टेशन तक सफर भी किया। हालांकि, जनता के लिए पटना मेट्रो की सेवाएं 7 अक्टूबर से शुरू होंगी। पटना में मेट्रो के उद्घाटन के साथ ही पटना देश का 24वां मेट्रो शहर बन गया है। ये परियोजना शहर की बढ़ती ट्रैफिक समस्या को कम करने और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पहले चरण में मेट्रो ब्लू लाइन (कॉरिडोर-2) के प्राथमिकता वाले हिस्से पर संचालित की गई है जो आईएसबीटी स्टेशन से जीरो माइल और भूतनाथ स्टेशन तक 4.5 किलोमीटर लंबा रूट कवर करेगी। इस रूट पर अधिकतम किराया 30 रुपये होगा, जबकि एक स्टेशन का सफर करने के लिए 15 रुपये लगेंगे। मेट्रो सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी और हर 20 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होगी। हर दिन 40 से 42 फेरे लगाए जाएंगे। प्रत्येक ट्रेन में तीन कोच हैं जो लगभग 138 बैठे और 945 खड़े यात्रियों को ले जा सकती है।

उत्तर प्रदेश में जहरीले कफ सिरप पर बैन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत से जुड़े कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने आगे के नुकसान को रोकने के लिए कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है, और लोगों को इस प्रकार के कफ सिरप का सेवन न करने का आग्रह करते हुए एक एडवाइजरी जारी की है।

उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि 'यह बहुत दुख की बात है कि कफ सिरप पीने के बाद कई बच्चों की जान चली गई है। हमारी सरकार ने कभी भी ऐसा कफ सिरप नहीं खरीदा है। हमने राज्य के लोगों से इस प्रकार

के कफ सिरप का सेवन न करने का आग्रह करते हुए एक एडवाइजरी भी जारी की है। हमने राज्य में कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है,' ब्रजेश पाठक ने एक न्यूज एजेंसी को बताया। यह प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद आया है कि तमिलनाडु में (शेष पृष्ठ-4 पर)

मरीजों को कफ सिरप लिखने वाला डाक्टर सस्पेंड

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में जहरीली कफ सिरप (Coldrif) से 14 मासूम बच्चों की मौत के बाद सरकार ने जहां दवा पर बैन लगाया है, वहीं प्राथमिक उपचार करने वाले डॉक्टर को सस्पेंड कर गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही डॉक्टर और दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली है। इस बीच पीड़ित परिवारों की आपबीती और केस दर्ज होने से पहले डॉक्टर का दिया एक बयान सामने आया है। छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप पीने के बाद किडनी खराब होने से अब तक 14 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने बच्चों को कप सिरप लिखने वाले डाक्टर प्रवीण सोनी को सस्पेंड करने के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क हादसों में गई दो लोगों की जान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। मृतकों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दुर्घटना के आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दनकौर क्षेत्र के ठसराना गांव निवासी संदीप भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके पिता 5 अक्टूबर को दिल्ली से वापस घर लौट रहे थे। नोएडा ग्रेटर नोएडा हाईवे पर सेक्टर 148 कट के पास पिकअप गाड़ी के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पीआरबी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संदीप भाटी ने पिकअप चालक के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कराया है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

शरद पूर्णिमा पर आज अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसकी कुछ तस्वीरें राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जारी की है। श्रीरामजन्मभूमि परिसर में भक्तों की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ी । श्रद्धालु सुबह से ही कतारों में दिखे मंदिर परिसर में विशेष सजावट व कीर्तन भी आयोजित किए गए।

दो लाख न लाने पर विवाहिता पर अत्याचार

नोएडा (चेतना मंच)। पति व ससुराल वालों के अत्याचारों से परेशान होकर एक महिला ने उनके खिलाफ थाना सेक्टर-20 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि मायके से 2 लाख रुपए ना लाने पर उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़िता की शिकायत पर उसके पति सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेक्टर-19 में रहने वाली शिल्पा (काल्पनिक नाम) में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 4 दिसंबर 2022 को शाहपुर

गोवर्धनपुर निवासी समदर्श चौहान के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय पश्चात ही उसके पति व ससुरालवालों ने उसके साथ छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा व मारपीट शुरू कर दी। ससुराल वाले उसे अक्सर कम दहेज लाने का ताना देकर प्रताड़ित करने लगे। शिल्पा का आरोप है कि उसके पति व ससुराल (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्लाट बेचने के नाम पर लाखों की ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्लाट बेचने के नाम पर दो जालसाजों ने एक व्यक्ति से 49 लाख रुपए हड़प लिए। पैसे लेने के बावजूद भी प्लॉट स्वामी उसका बैनामा नहीं कर रहा है। पीड़ित ने इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्राम सूरजपुर निवासी बॉबी कुमार ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि एक प्लॉट खरीदने के लिए उसकी बातचीत अपने परिचित फरमान सैफी से हुई। फरमान सैफी ने बताया कि उसका परिचित ताहिर सैफी अपना प्लॉट बेचना चाह रहा है। फरमान सैफी ने उसे ताहिर सैफी से मिलवाया जिस पर 40 लाख रुपए में प्लॉट खरीदने का सौदा तय हो गया। बॉबी कुमार के मुताबिक उसने ताहिर सैफी को चेक व नगद धनराशि के रूप में 40 लाख रुपए अदा कर दिए। इसके बाद जब उसने बैनामा करने के लिए कहा तो ताहिर सैफी ने इनकार करते हुए कहा कि प्लॉट की कीमत बढ़ चुकी है। इसलिए उसे 9 लाख रुपए और देने होंगे। सभी लेन देन करने के बावजूद भी उसने 9 लाख रुपए अदा कर दिए। उसने जब फरमान सैफी और ताहिर सैफई से प्लॉट का बैनामा करने को कहा तो वह उसे टरकाते रहे। बॉबी कुमार का आरोप है कि दोनों आरोपी उसे आत्महत्या कर उसे फंसाने की धमकी देकर (शेष पृष्ठ-4 पर)

पूजा-पाठ के बहाने महिला के साथ टप्पेबाजी

नोएडा (चेतना मंच)। घर में भाइयों के झगड़े को शांत कराने का झांसा देकर तीन जालसाजों ने एक महिला से उसके जेवरात उतरवाकर पर्स में रखवा लिए। इसके बाद महिला को बातों में उलझाकर तीनों पर्स को लेकर रफू चक्कर हो गए। पीड़िता ने थाना सेक्टर-24 में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुराना हैबतपुर में रहने वाली उषा देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 5 अक्टूबर को अपने घर मयूर विहार फेस-3 जाने के लिए सेक्टर-12/22 चौराहे पर सवारी का इंतजार कर रही थी। इस दौरान उसके पास तीन व्यक्ति आए। तीनों व्यक्तियों ने बताया कि उसके घर में भाइयों के बीच झगड़ा चल रहा है अगर वह चाहती हैं कि सभी प्यार से रहे तो वह मंदिर में पूजा कर इस झगड़े को शांत कर सकते हैं। तीनों युवकों की बातों में आकर वह सेक्टर-22 के ए ब्लॉक मंदिर के पास चली गई यहां इन्होंने कुछ मंत्र पढ़े और उससे कहा कि वह अपनी ज्वैलरी उतारकर पर्स में रख लें। इसके बाद उसने अपने कान के टॉप्स, गले में पहना लॉकेट उतार कर पर्स में रख लिए। तीनों युवकों ने उसे बातों में उलझाकर उससे पर्स ले लिया और वहां से रफू चक्कर हो गए। पीड़िता के मुताबिक इनमें से दो युवक एक दूसरे को दिलशेर व कमल हसन कहकर संबोधित कर रहे थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

पड़ोसियों ने घर में घुसकर की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक व्यक्ति ने अपने चार पड़ोसियों के खिलाफ घर में घुसकर गाली गलौज मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि पड़ोसियों ने उसके पिता व भाभी के साथ भी मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया था। ग्राम जेवर खादर निवासी लायक राम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 5 अक्टूबर की सुबह वह अपने घर पर परिवार के साथ मौजूद था। गांव के ही विक्रम, भूप सिंह, प्रेमपाल, चंद्रपाल हाथों में लाठी डंडे व लोहे की रॉड लेकर जबरन उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो सभी लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर उसके पिता हरपाल व भाभी कृष्णा उसे (शेष पृष्ठ-4 पर)

सफाईकर्मी को पिस्तौल दिखाने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। होशियापुर गांव में सफाईकर्मी को थप्पड़ मारने के बाद पिस्तौल दिखाकर धमकाने के आरोपी को थाना सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से लाइसेंसी पिस्तौल, 6 कारतूस, फॉर्च्यूनर कार बरामद की है। एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर योगेश यादव को सेक्टर-50 स्थित बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया। इसके पास से घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्तौल व फॉर्च्यूनर कार बरामद हुई। पूछताछ में योगेश यादव ने बताया कि वह 4 अक्टूबर (शेष पृष्ठ-4 पर)

'पराली जलाई तो लगेगा 2500 से लेकर 15000 रुपये तक का जुर्माना'

नोएडा (चेतना मंच)। पराली जलाने पर 2500 से लेकर 15000 रुपये का जुर्माना लगेगा तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम की धारा-4 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि फसलों के अवशेष जलाने से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिशा निर्देश निर्गत किये गये है। गौतमबुद्धनगर के कुछ क्षेत्रों में धान काटने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। धान की कटाई के तुरन्त बाद ही गेहूँ की बुआई के लिए कुछ किसान बंधु पराली

को खेतों में ही जला देते है।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने संज्ञान लेते हुए निर्देश जारी किये है। जिसमें कहा गया है कि यदि जनपद में पराली जलाने के दोषी पाये जाते है तो सम्बन्धित किसान पर रू0 2500 से लेकर रू0 15000 तक का जुर्माना लग सकता है। उन्होंने बताया कि जनपद में (शेष पृष्ठ-4 पर)

मोदी व नीतिश कुमार के नेतृत्व में बिहार का हुआ सर्वांगीण विकास : डॉ. महेश शर्मा

सांसद ने बिहार दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

औरंगाबाद (बिहार)। गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं पूर्व मंत्री डा. महेश शर्मा ने बिहार के औरंगाबाद जिले में चुनाव को लेकर पार्टी की चुनावी रणनीतियों, संगठन सशक्तिकरण तथा कार्यकर्ता संवाद पर विस्तृत चर्चा की और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के आधार होते है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास हुआ है।

डॉ. महेश शर्मा ने कुटुम्बा, रफीगंज, औरंगाबाद, एवं इमामगंज

विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित बैठक में शिरकत की। इस मौके पर पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष बृजेंद्र चंद्रवंशी, जिला प्रभारी मनोज कुशवाहा, गया जिले के जिलाध्यक्ष (शेष पृष्ठ-4 पर)

'स्वदेशी' के नारे

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ के इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया गया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं। अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब 6 लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। जब भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है? भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करनी चाहिए थी। जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती। भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। जरा प्रधानमंत्री या वाणिज्य मंत्री इन देशों का एक बार दौरा कर आएं, तो पता चल जाएगा कि व्यापार कैसे करना है? अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पडना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढने से अमरीकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके? मोदी सरकार ने अपने ही 11 साला कालखंड में रक्षा, बीमा, संचार, दवा, बहु आइटम कारोबार आदि में 74 फीसदी से 100 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की व्यवस्थाओं को लागू किया है। यदि स्वदेशी माल ही बेचना और खरीदना है, तो विदेशी निवेश किसलिए चाहिए? कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी भारत में निवेश क्यों करेगी? उदारीकरण का क्या होगा? हम एक बार फिर स्पष्ट कर दें कि हम 'स्वदेशी' के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आज के दौर में सबसे बड़ी महाशक्ति अमरीका भी दूसरे देशों के सामान पर आश्रित है। भारत अलग-थलग होकर आर्थिक महाशक्ति नहीं बन सकता। ऐसा संकेत सरसंघचालक ने भी किया है। ऐसे समय में जबकि अंतरराष्ट्रीय निर्भरता बढ़ती जा रही है, स्वदेशी को एक सीमा तक ही अपनाया जा सकता है। हर देश आज दूसरे देशों से संबंधों को मजबूत बना रहा है। स्वदेशी की अपनी सीमाएं हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि रात्रि का प्रवेश होते ही (संध्या के समय) मुनि ने आज्ञा दी, तब सबने संध्यावंदन किया। फिर प्राचीन कथाएँ तथा इतिहास कहते-कहते सुंदर रात्रि दो पहर बीत गई॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मुनिबर सयन कीन्हि तब जाई। लगे चरन चापन दोउ भाई॥
जिन्ह के चरन सरोरुह लागी। करत बिबिध जप जोग बिरागी॥

तब श्रेष्ठ मुनि ने जाकर शयन किया। दोनों भाई उनके चरण दबाने लगे, जिनके चरण कमलों के (दर्शन एवं स्पर्श के) लिए वैराग्यवान पुरुष भी भाँति-भाँति के जप और योग करते हैं॥

तेइ दोउ बंधु प्रेम जनु जीते। गुर पद कमल पलोटत प्रीते॥
बार बार मुनि अग्या दीन्ही। रघुबर जाइ सयन तब कीन्ही॥

वे ही दोनों भाई मानो प्रेम से जीते हुए प्रेमपूर्वक गुरुजी के चरण कमलों को दबा रहे हैं। मुनि ने बार-बार आज्ञा दी, तब श्री रघुनाथजी ने जाकर शयन किया॥

चापत चरन लखनु उर लाएँ। सभय सप्रेम परम सचु पाएँ॥
पुनि पुनि प्रभु कह सोवहु ताता। पौढ़े धरि उर पद जलजाता॥

भावार्थ-श्री रामजी के चरणों को हृदय से लगाकर भय और प्रेम सहित परम सुख का अनुभव करते हुए लक्ष्मणजी उनको दबा रहे हैं। प्रभु श्री रामचन्द्रजी ने बार-बार कहा- हे तात! (अब) सो जाओ। तब वे उन चरण कमलों को हृदय में धरकर लेटे रहे॥

(क्रमशः...)

शरद पूर्णिमा आज, धन, आरोग्य और लंबी उम्र का मिलेगा वरदान

इस बार 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है इस दिन माता लक्ष्मी और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है, इसलिए लोग खुले आकाश के नीचे खीर रखकर उसका सेवन करते हैं। खीर का सेवन करने से व्यक्ति अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि माना जाता है। शरद पूर्णिमा को माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन इन उपाय के करने से माता लक्ष्मी और चंद्रदेव प्रसन्न होते हैं, व्यक्ति को धन-धान्य के भंडार लगे रहते हैं।

शरद पूर्णिमा करें ये काम

- शरद पूर्णिमा की रात्रि में चन्द्रमा की किरणों में रखी हुई दूध ङ्क चावल की खीर का सेवन पित्तशामक व स्वास्थ्यवर्धक है। वहीं, इस रात को सुई में धागा पिरोने से नेत्रज्योति बढ़ती है।
- शरद पूर्णिमा रात को आध्यात्मिक उत्थान के लिए बहुत फायदेमंद है । इसलिए सबको इस रात को जागरण करना चाहिए अर्थात जहां तक संभव हो सोना नही चाहिए और इस पवित्र रात्रि में जप, ध्यान, कीर्तन करना चाहिए।
- इस रात को आप हजार काम छोड़कर 15 मिनट के लिए चन्द्रमा को एकटक निहारना चाहिए। कम-से-कम 15 मिनट चन्द्रमा की किरणों का फायदा लेने से शरीर स्वस्थ होता है। ऐसा करने से 32 प्रकार की पित्तसंबंधी बीमारियों में लाभ होगा, शांति होगी। आप चाहे तो छत पर आसन या मेट बिछाकर लेटे-लेटे भी चंद्रमा को देख सकते हैं।
- जिनको आंखों की रोशनी बढ़ानी हो वे शरद पूनम की रात को सुई में धागा पिरोने की कोशिश करें। ऐसा करने से नेत्रज्योति बढ़ती है।
- इस रात्रि में ध्यान-भजन, सत्संग कीर्तन, चन्द्रदर्शन करने से व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक आरोग्यता के लिए अत्यन्त लाभदायक है।
- शरद पूर्णिमा की शीतल रात्रि में (9 से 12 बजे के बीच) छत पर चन्द्रमा की किरणों में महीन कपड़े से ढंककर रखी हुई दूध-पोहे अथवा दूध-चावल की खीर अवश्य खानी चाहिए। देर रात होने के कारण खीर को कम खाएं, भरपेट न खाएं, सावधानी बरतें।

हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इस दिन पूजा और व्रत भी रखा जाता है। इस दिन चंद्रमा की रोशनी के नीचे खीर रखी जाती है, इसके सेवन करना अमृत के सामान होता है। इस दिन कुछ जरुरी उपाय जिन्हें आप कर सकते हैं। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

किस तरह बिगड़ी पहाड़ी खेती-ग्रामीण व्यवस्था

पहाड़ के लोग ज्यादातर खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर आधारित आत्मनिर्भर जीवन जीते रहे हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के चलते आवागमन की सुविधाओं का अभाव स्वाभाविक था, जिसके चलते लोगों ने आत्मनिर्भर जीवन पद्धति को विकसित किया जो खेती के इर्द-गिर्द घूमती थी। पहाड़ में खेती का अर्थ है खेती, पशुपालन और दस्तकारी का मिश्रित रूप, जिसमें वन संसाधनों की मुख्य भूमिका थी। इस मिश्रित जीवनयापन पद्धति के लिए अधिकांश संसाधन वन भूमियों से ही प्राप्त किए जाते थे। खेती, पशुपालन और दस्तकारी आपस में एक दूसरे पर आश्रित भी थे और पूरक भी थे। पशुपालन में भेड़-बकरी पालन शामिल ही था। पौष्टिक भोजन के लिए अन्न खेती से और दूध-घी पशुओं से, जंगली कंद-मूल, फल, सब्जियां पर्याप्त मात्रा में वनों से मिल जाता था। वन संसाधन घास-चारे से भरपूर होते थे। अच्छे चरागाह उपलब्ध थे। इस कारण पशु संख्या को सीमित करने के कोई दबाव नहीं थे। पशुपालन खूंटे पर नहीं होता था, बल्कि मुख्यतः चरागाहों में खुले चरान से होता था। इसलिए सामूहिक रूप से दो-चार लोग पूरे गांव के पशुओं को चुगा कर ले आते थे या जहां ऐसा संभव नहीं होता था, वहां कठिन श्रम न कर सकने वाले घर के सदस्य ही चराई का काम कर लेते थे जिससे मुख्य श्रम शक्ति खेती दस्तकारी के श्रमसाध्य कार्यों के लिए बची रहती थी। नकद जरूरतों के लिए भेड़ बकरी पाली जाती थी जिसका नाम ही 'धन' इसीलिए पड़ा है।

गाय-भैंस के दूध से घी बनाने का प्रचलन था। क्योंकि सबके पास दूध होता था, इसलिए दूध की बिक्री कम ही थी। दूध बेचना अच्छा भी नहीं समझा जाता था। पहाड़ का देसी घी अमृतसर आदि पंजाब की मंडियों तक भेजा जाता था। खेती के लिए देसी खाद गोबर और भेड़-बकरियों की मेंगनों से पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी। घुमंतू पशु और भेड़-बकरी चारक सर्दियों में निचले कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आ जाते और गर्मियों में ऊंचाई वाले बर्फानी चरागाहों में चले जाते। आने-जाने के दौरान वे जब मध्यवर्ती कृषि प्रधान क्षेत्रों से गुजरते तब जुताई के बाद खाली खेतों में भेड़-बकरियों के रेवड़ को रात में आराम करने के लिए बिठाया जाता जिससे उनके मल मूत्र से खेत में बढ़िया खाद मिल जाता। चारे का भी पूरा प्रबंध होता था। लोगों ने कुछ मल्कीयती घासनियां भी प्रबंधित कर रखी थी, यानी बाहर से चारा मंगवाने की सोचने की भी जरूरत नहीं थी। बिना कोई पैसा खर्च किए ये साधन उपलब्ध थे। खेती भी लाभदायक थी, पशुपालन में भी नकद कमाई हो जाती थी। धीरे-धीरे यह संतुलन बिगडने लगा। वनों को साफ काट कर बेचा जाने लगा, उनके स्थान पर नए पेड़ व्यापारिक प्रजातियों के लगाए गए। चारे का अकाल पडने लगा। आबादी बढने से ईंधन की मांग बढ़ती गई। भेड़ बकरी के चारे के लिए उपयोगी झाडियां और रहे सहे वृक्ष भी ईंधन की भेंट चढने लगे। चारे का संकट और गहरा होता गया। रही सही कसर हरित क्रांति के बीजों के साथ आए खरपतवारों ने पूरी कर दी। आज स्थिति यह है कि आधे से ज्यादा चरागाह खरपतवारों की भेंट चढ़ कर अनुपजाऊ हो गए हैं। पशुओं के लिए चारा पंजाब-हरियाणा से मंगवाना पड़ रहा है जिसकी कीमत दस से पंद्रह रुपए किलो तक बैठती है। इतने महंगे चारे से पशुपालन लाभकारी नहीं रहा। एक समय भूमिहीन भी पशु पाल कर अपना जीवनयापन कर लेते थे। अब तो भूमालिकों के भी हाथ खड़े होने लग पड़े। पशुधन जो ग्रामजीवन की रीढ़ थी, सडकों पर बेसहारा छोड़ दिया जाने लगा, जिससे एक ओर उपलब्ध आय खत्म हो गई, दूसरी ओर वही बेसहारा पशु फसलों को उजाडने लगे। खेती को खेती ही खाने लगी। फसलों के लिए पूरा देसी खाद उपलब्ध नहीं रहा। मिट्टी की उत्पादकता घट रही है।

पहले अपना बीज, अपना बैल, अपनी खाद से जमीन में जो कमाया वह अपना ही था। अब तो बीज, रासायनिक खाद, पॉवर टिलर आदि सब बाहर से खरीदना है। ले-देकर अपनी मजदूरी के बराबर आय भी छोटी जोत वाले प्राप्त नहीं कर पाते। इस कारण खेती छोड़ कर लोग मजदूरी को बेहतर समझने लगे हैं। दसवीं या जमा दो तक पढ़े बच्चे भी मजदूरी करने दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई तक जा रहे हैं। खेती थोड़ा बहुत बागवानी वाले क्षत्रों में ही लाभदायक बची है या ऊंचाई वाले क्षेत्रों में, जहां बेमौसमी सब्जी का उत्पादन संभव है। बाहरी हिमालय और शिवालिक क्षेत्र तो बिल्कुल घाटे की खेती करने को अभिशप्त हो चुके हैं। वनों से जब मिश्रित वृक्ष झाड़ी प्रजातियां लुप्त हुईं, उसके साथ ही वन्य प्राणियों का भोजन भी खत्म हो गया। अब वे भी खेती उजाडने में व्यस्त हैं। बंदरों का कोई इलाज आज तक सरकारें निकाल नहीं पाई हैं। उस पर सूअर और नीलगाय भी फसलों को तबाह कर रहे हैं। दस्तकारी को तो औद्योगीकरण की एकांगी नीतियां निगल गईं।

जैव विविधता के नष्ट होने के कारण बहुत से दस्तकारी के लिए जरूरी संसाधन भी समाप्त हो गए। ऊनी उत्पादों को सिंथेटिक वस्त्र उद्योग चट कर गया। पत्तलों को प्लास्टिक और कागज की प्लास्टिक परत चढ़ी प्लेटों ने निगल लिया। कुम्हार, लोहार, जुलाहा, तेली, मोची, सब तो गांव से गायब हैं। गांव में हर वस्तु शहरों की ही तरह बाजार से आ रही है। और बाजार तो अब विश्व भर तक फैल गया है। स्थानीय ग्रामीण जो उत्पादक आत्मनिर्भर इकाई था, अब केवल ग्राहक बन गया है। गांधी जी इसी तरह की ग्रामीण औद्योगीकरण की समझ को विकसित करने की बात करते रहे। आज भी हम स्वदेशी का नारा लगा रहे हैं, किन्तु यह नकली स्वदेशी है। स्वदेशी तो वह होता जिसमें ग्रामीण दस्तकारी के विनाश के बिना उन उत्पादक कार्य की समझ और संस्कार रखने वाले ग्रामीण दस्तकारों को आधुनिक तकनीकों से लैस करके उत्पादन में प्रवृत्त किया जाता। किन्तु उसके लिए तकनीक विकास, नवाचार शोध का आधार ही खड़ा नहीं किया गया। उलटे बांस बरेली को- वाली स्थिति बन गई है। जो खुद उत्पादन करते थे, अब खरीददार बना दिए गए और इसे हमने विकास माना। कम से कम दैनिक जरूरत की उन चीजों का उत्पादन जो गांव में हो सकता है, फिर से गांव में वापस लाने की शुरुआत होनी चाहिए। इस उलटी समझ से मुक्ति का मार्ग कहीं न कहीं गांधी के आदर्श को समझ कर ही मिल सकता है। किन्तु गांधी तो अब या तो ट्रेड मार्क बना दिया गया है, जिसके पीछे छिप कर अपने सही-गलत को ढांपा जा सकता है, या फिर सारी कमियों के लिए उसे जिम्मेदार ठहरा कर गाली-गलौच की संस्कृति फैल रही है।

-कुलभूषण उपमन्यु
पर्यावरणविद

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

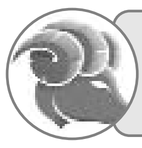

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आप में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। काम करने की क्षमता रहेगी। प्रेम का साथ होगा। संतान आपकी आज्ञा का पालन करेगी।

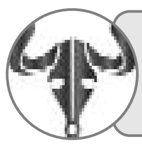

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता। किसी न किसी बात को लेकर मन चिंतित रहेगा। भले ही अनायास चिंता हो। प्रेम,संतान अच्छा है।

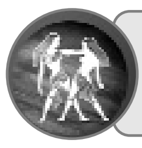

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
इनकम का घर मजबूत बना हुआ है। कुछ नए सोर्स बनेंगे, रुपए-पैसे आने के। पुराने सोर्स काम करते रहेंगे।

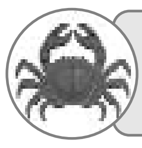

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य में सुधार हो गया है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सिंह राशि की स्थिति अच्छी है। परिस्थितियां आपकी अनुकूल होती जा रही हैं। भाग्यवश काम संवरने के संकेत हैं।

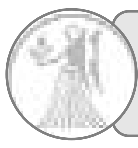

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

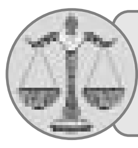

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे।

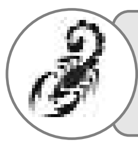

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु उपद्रव करने की कोशिश करेंगे, लेकिन शत्रु शमन भी संभव है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

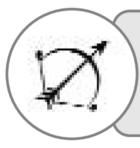

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भावुकता पर काबू रखें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए, कवियों के लिए, लेखकों के लिए अच्छा समय।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग हैं। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा

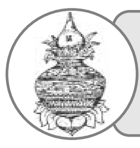

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

रोटरी क्लब ग्रीन एवं इंटरेक्ट क्लब प्रज्ञान स्कूल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने इंटरेक्ट क्लब प्रज्ञान स्कूल के सहयोग से प्रज्ञान स्कूल, ग्रेटर नोएडा परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर का आयोजन स्कूल की वार्षिक प्रदर्शनी एवं पी.टी.एम. के अवसर पर किया गया, जिसमें अभिभावकों, शिक्षकों व आगंतुकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रक्तदान शिविर में कुल 40 बहुमूल्य यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो कई जिंदगियों को बचाने में सहायक होगा।

रोटरी सदस्यों ने प्रज्ञान स्कूल के प्रबंधन, शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों के सहयोग और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मानवीयता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रो0 ऋषि के अग्रवाल, चार्टर प्रेसिडेंट रो0 एम.पी. सिंह, क्लब ट्रेनर व पूर्व अध्यक्ष रो0 सौरभ बंसल, क्लब सेक्रेटरी रो0निखिल गर्ग, रो0 रंजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष रो0 अतुल जैन, रो0 यतेंद्र अवाना , क्लब ट्रेज़र रो0 राहुल शर्मा, रो0 यतेंद्र चौहान एवम रो0 शोभित चौधरी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने जिला कार्यालय ज्ञानपुर में संगठन के लोगों से मुलाकात कर आगामी कार्यक्रमों और त्रिस्तरीय जिला पंचायत चुनाव की रूपरेखा तय की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री रमेश पांडेय ने किया।

मुख्य अतिथि एके शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी से संबंधित ऐतिहासिक फैसले देश हित में हैं और यह देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों ने व्यापारियों और जनता का शोषण किया, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार अंत्योदय के मार्ग पर चलकर जनता, व्यापारी और सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। उन्होंने दीपावली पर जीएसटी के प्रतिशत में कमी को बड़े तोहफे के रूप में पेश किया।

एके शर्मा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आगामी त्रिस्तरीय जिला पंचायत चुनाव के लिए सजग रहें और समय आने पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में एकजुट होकर काम करें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि बिजली की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित हो और किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानी न हो, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम में एके शर्मा ने औराई विधायक दीनानाथ भास्कर का अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। उन्हें अनुसूचित जाति, जनजाति और विमुक्त जातीय मामलों की संयुक्त समिति का सभापति बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी ने संगठन के नियमित कार्यों और कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि एके शर्मा ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा की राजनीति अब लगभग समाप्त हो चुकी है और उनकी जगह उत्तर प्रदेश की सरकार कामकाज और विकास के दम पर जनता के दिलों में अपना स्थान बना चुकी है। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी कार्यकर्ता आगामी पंचायत चुनाव में जीत सुनिश्चित करेंगे।

कार्यक्रम में सांसद डॉक्टर विनोद बिंद, विधायक दीनानाथ भास्कर, औराई विपुल दुबे, विधायक ज्ञानपुर, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूध त्रिपाठी, क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह, जितेंद्र गुप्ता, घनश्याम दास गुप्ता, रमेश पांडेय, संतोष तिवारी, सत्यसिल गुप्ता, ललता प्रसाद सोनकर, पूर्व मंत्री मदन लाल बिंद आदि लोग मौजूद रहे।

आरएसएस शताब्दी वर्ष परशुरामपुर में भव्य पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित

भदोही। विश्व की सबसे बड़ी समाजसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शताब्दी वर्ष के अवसर पर मंडल परशुरामपुर में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति को ध्यान में रखते हुए कई स्थानों पर पथ संचलन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शताब्दी वर्ष पर डाक टिकट और सिक्का जारी कर देश को समर्पित किया।

कार्यक्रम में विभाग प्रचारक कौशल किशोर, जिला प्रचारक कमलेश, जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, अरुण मिश्रा, गौरी शंकर, सौरभ मालवीय सहित सैकड़ों राष्ट्रीय स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सेक्टर बीटा वन की सफाई और पेड़ों की छंटाई का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम और सहायक प्रबंधक गौरव भघेल ने सेक्टर बीटा वन की सफाई का कल निरीक्षण किया।

आरडब्ल्यूए के महासचिव हरेन्द्र भाटी और कोषाध्यक्ष विपिन भाटी ने बताया कि मकानों के सामने पत्ते और गंदगी फैलने के कारण सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने ठेकेदार को चेतावनी दी कि अगर सफाई सही तरीके से नहीं हुई तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पिछले सात-आठ वर्षों से सेक्टर बीटा वन में पेड़ों की छंटाई नहीं हुई थी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा अब पेड़ों की छंटाई कराई जा रही है। छंटाई के बाद स्ट्रीट लाइटों का उजाला अब पेड़ों में नहीं छुप रहा और गली में रोशनी बेहतर दिखाई दे रही है।

आरडब्ल्यूए की नई कार्यकारिणी ने सफाई और पेड़ों की छंटाई को प्राथमिकता दी है। महासचिव हरेन्द्र भाटी ने कहा कि हमारी पूरी कार्यकारिणी का लक्ष्य है कि सेक्टर बीटा वन में सभी कार्य सुचारू और बेहतर तरीके से हों।

सीटू दिल्ली-एनसीआर राज्य कमेटी का 18वां त्रिवार्षिक सम्मेलन 11-12 को

नोएडा (चेतना मंच)। सीटू दिल्ली-एनसीआर राज्य कमेटी का 18वां त्रिवार्षिक राज्य सम्मेलन 11 और 12 अक्टूबर को झुंडपुरा सेक्टर-11 के सामुदायिक केंद्र में सुबह 9 बजे से आयोजित होगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सीटू जिला सचिव मंडल की बैठक आज सेक्टर-8, नोएडा के सीटू कार्यालय में जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार राघव की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में जिला महासचिव रामस्वारथ ने पिछले तीन वर्षों के कामकाज की समीक्षा और आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में सम्मेलन के प्रचार अभियान को तेज करने, नई राज्य कमेटी के चुनाव और दिल्ली, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर के श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा कर संघर्ष की रूपरेखा तय करने का निर्णय लिया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन सीटू के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व सांसद तपन सेन करेंगे, जबकि समापन भाषण राष्ट्रीय सचिव सुदीप दत्ता देंगे। 10 अक्टूबर को झुंडपुरा सेक्टर-11 में रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। 11 अक्टूबर को सुबह 8.30 बजे डेलीगेट एवं श्रमिक-किसान प्रतिनिधि सीटू कार्यालय, सेक्टर-8 से जुलूस बनाकर सम्मेलन स्थल पहुंचेंगे। सम्मेलन का समापन 12 अक्टूबर को शाम 4.00 बजे होगा। बैठक में जिला सचिव मंडल सदस्य कामरेड रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, मुकेश कुमार राघव, रामस्वारथ, सुनील पंडित और नरेंद्र पांडे उपस्थित रहे।

भाकियू (लोकशक्ति) संगठन का हुआ विस्तार

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) का संगठन विस्तार ममूरा गांव में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेदपाल ने की और संचालन उपाध्यक्ष युवा महानगर अरूण गौतम ने किया।

राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने बताया कि 1976 में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से उनकी ज़मीन कौड़ियों के भाव हथियाई थी। तब से अब तक किसान अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन और प्राधिकरण की अनदेखी के कारण गांवों में समस्याओं का अंबार लग गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह अनदेखी प्रशासन और प्राधिकरण के लिए भारी पड़ेगी और जल्द ही आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

भाकियू लोकशक्ति में शामिल हुए नए कार्यकर्ताओं में सतीश कुमार (ग्राम अध्यक्ष), राजू विश्वकर्मा (उपाध्यक्ष), राहुल यादव (नोएडा कार्यकारिणी सदस्य), दीपक जाटव (महानगर सचिव), विकास कुमार (सचिव), सुमित कुमार (सहसचिव), मोनू, जगदीश विश्वकर्मा (संगठन मंत्री), हुकुम सिंह (ग्राम महासचिव), दीपक कुमार (ग्राम सचिव युवा) सहित कई सदस्य शामिल रहे। इसके अलावा बिजेंद्र, जयकिशन, पंकज, गौरव, पवन, गुरु जी, राजेश गौतम, सौरभ, भूपेन्द्र, संदीप, इंद्रपाल, सुंदर सिंह, राहुल, नितिन और राजू जाटव समेत सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में ओमप्रकाश गुर्जर, डॉ. बलराज बैसोया, महानगर अध्यक्ष महेश तंवर, बबलू यादव, हरि अवाना, युवा महानगर अध्यक्ष राजकुमार मोनू, हरेन्द्र बैसोया, विजयपाल भाटी, मनोज शर्मा, नीरज कुमार, मोहम्मद शफीक और अजय चौहान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

किसान एकता संघ संगठन 21 नवंबर से शुरू करेगा 'किसान अधिकार बचाओ पदयात्रा'

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता संघ संगठन की पंचायत कैम्प कार्यालय में दिनांक 5 अक्टूबर को बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बलजीत नागर ने की और संचालन उम्मेद त्यागी ने किया।

प्रदेश महासचिव एडवोकेट सतीश कनारसी ने बताया कि प्रदेश सरकार और यमुना प्राधिकरण किसानों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों को पिछले लगभग 14 वर्षों से 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर, आबादी निस्तारण, 10 प्रतिशत विकसित भूखण्ड, युवाओं को रोजगार समेत कई समस्याओं का समाधान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों का लगातार शोषण किया जा रहा है और आगामी दिनों में संगठन आर-पार की लड़ाई लड़ेगा।

जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने बताया कि किसान एकता संघ संगठन 21 नवंबर को जेवर से किसान अधिकार बचाओ पदयात्रा शुरू करेगा। यह पदयात्रा यमुना प्राधिकरण से प्रभावित किसानों को जागरूक करेगी और 24 नवंबर को रबूपुरा, दनकौर तथा यमुना प्राधिकरण के ग्रेटर नोएडा स्थित कार्यालय में महापंचायत आयोजित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं का समाधान होने तक पदयात्रा की समाप्ति नहीं होगी।

इस मौके पर सोरन प्रधान, मनीष नागर, कृष्ण बेसला, उमर प्रधान, आसिफ प्रधान, सतीश कनारसी, विक्रम नागर, वनीश प्रधान, जगत मैनेजर, मोहनपाल, ओमेंद्र खारी, सुमित भाटी, अरुण खटाना, मनोज भाटी, दुर्गेश शर्मा, गंगाराम, सुभाष भाटी, पवन एडवोकेट, छोटे नेताजी, सन्तोष बालियान, सलेक भाटी, अजीत एडवोकेट, पंकज सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

राष्ट्रीय हैकाथॉन सस्टेन-ए-थॉन कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कम्प्यूटिंग साइंसेज एंड इंजीनियरिंग ने 24 घंटे के राष्ट्रीय हैकाथॉन सस्टेन-ए-थॉन 2025 का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 505 पंजीकरणों में से 14 राज्यों के 76 संस्थानों के 296 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में शारदा विश्वविद्यालय के चांसलर प्रदीप कुमार गुप्ता ने छात्रों के विचारों और परिश्रम की सराहना की और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) परम नंद ने विश्वविद्यालय की हैकाथॉन विरासत पर जोर दिया, जबकि वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) सिबाराम खारा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और शारदा की उपलब्धियों को उजागर किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. (डॉ.) अजय श्रीराम कुशवाहा ने प्रतिभागियों को बधाई दी। कुल नकद पुरस्कार 1.07 लाख

वितरित किए गए, जबकि फाइनलिस्ट और विजेताओं को डिजिटल लाइसेंस, टेक क्रेडिट्स और गुडीज़ सहित लगभग 3.5 लाख मूल्य के इनाम दिए गए। कुल मिलाकर इस आयोजन में 4.57 लाख का पुरस्कार वितरण किया गया।

इस आयोजन में उत्तर प्रदेश 138 प्रतिभागियों के साथ अग्रणी रहा, इसके बाद हरियाणा, दिल्ली, तमिलनाडु और महाराष्ट्र का स्थान रहा। इस कार्यक्रम में 89 महिला प्रतिभागियों (30 प्रतिशत) की भागीदारी ने लिंग समानता की दिशा में प्रगति का संकेत दिया।

डीन प्रो. (डॉ.) गीता गणेशन ने अपने विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीश कुमार सिंह और सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप वार्ष्णेय को सहयोग के लिए धन्यवाद् देते हुए भविष्य में टीम के रूप में ऐसे ही कार्य करने का आह्वान किया।

होटल से लिए गए खाने के सैंपल, खिलाड़ियों की अचानक बिगड़ी तबीयत, एक्शन में बीसीसीआई

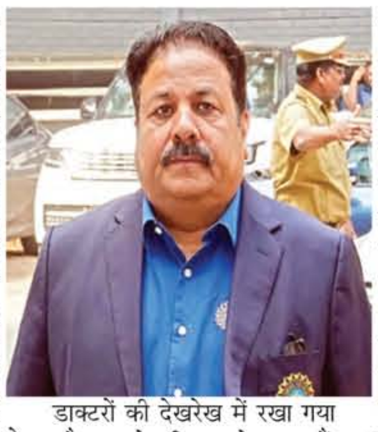

कानपुर, **6** अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की ए टीम इस समय भारत के दौरे पर आ रही है. वह इंडिया ए के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेल रही है. इस सीरीज के बीच एक चौंकाने वाली खबर आमने आई. कानपुर में ऑस्ट्रेलिया के 4 खिलाड़ी अचानक बीमार पड़ गए. खिलाड़ियों को अचानक तेज पेट दर्द और गंभीर संक्रमण की शिकायत हुई. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन को तो अस्पताल में भर्ती करवाया गया. इस घटना पर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बड़ा बयान सामने आया है.

खिलाड़ियों की अचानक बिगड़ी तबीयत

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तबीयत बिगड़ने के बार खबरें सामने आईं कि उन्हें होटल का खाना खाने के चलते पेट के संक्रमण का सामना करना पड़ा. हेनरी थॉर्नटन को 2 दिन तक डाक्टरों की देखरेख में रखा गया और अब वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं. वहीं, बाकी खिलाड़ियों को भी अस्पताल ले जाया गया और जांच के बाद छुट्टी दे दी गई. बता दें, ऑस्ट्रेलिया की ए टीम कानपुर के लैंडमार्क होटल में रुकी है और उन्हें इसी होटल का खाना खिलाया जा रहा है. जिसके चलते खाद्य विभाग सक्रिय हो गया है और होटल से खाने के सैंपल ले लिए गए हैं.

इस घटना पर मीडिया के बात करते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'लैंडमार्क होटल कानपुर का सबसे बेहतरीन होटल है. अगर खाने में कोई कमी होती तो सभी खिलाड़ी बीमार पड़ सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं है. ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है. सभी खिलाड़ी वही खाना खा रहे हैं.

हो सकता है कि 2-4 खिलाड़ी किसी और जगह से संक्रमित हुए हों.' वहीं, होटल मैनेजमेंट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तबीयत भोजन की वजह से खराब नहीं हुई, बल्कि मौसम में बदलाव के कारण उन्हें परेशानी हो सकती है.

बता दें, भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच 3 वनडे मैच फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. इससे पहले दोनों टीमों के बीच 2 अनऑफिशियल टेस्ट मैच भी खेले गए थे. इस सीरीज में भारतीय टीम ने 1-0 से बाजी मारी थी.

भारतीय टीम में सिर्फ रोहित शर्मा के साथ हुआ ऐसा अन्याय?

आईसीसी ट्रॉफी भारत के लिए लकी, लेकिन हिटमैन के लिए पनौती क्यों?

नई दिल्ली, **6** अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान 04 अक्टूबर को किया गया। टी20 टीम में तो सब कुछ अच्छा लग रहा था, लेकिन हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा वनडे स्क्वाड ने। दरअसल वनडे टीम में रोहित शर्मा का नाम तो था, लेकिन रोहित शर्मा इस बार टीम के कप्तान नहीं थे। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी मिली शुभमन गिल को। फैंस को इस बात से काफी हैरानी हुई। हर किसी के दिमाग में एक ही सवाल था कि भला ऐसा क्यों? टीम इंडिया में सब कुछ तो अच्छा चल ही रहा था।

टीम का ऐलान होती ही भारतीय टीम के चीफ सेरेक्टर अजित अगरकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजित अगरकर अभी बैठे ही थे कि सवालों ने उन्हें पूरी तरह से घेर लिया। एक के बाद एक सवाल पूछे गए। पूछा गया कि रोहित शर्मा के साथ ये अन्याय क्यों। फिर उन्होंने जवाब दिया कि वह शुभमन गिल को 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले बतौर कप्तान तैयार करना चाहते हैं और उन्हें समय की जरूरत है। अजित अगरकर की इन बातों में दम तो था। मगर जिस कप्तान ने कुछ महीने पहले आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को चैंपियन बनाया हो उसे कप्तानी से हटाना कितना सही था, ये सवाल अभी भी है।

आईसीसी ट्रॉफी टीम इंडिया के लिए लकी, लेकिन रोहित के लिए पनौती

टीम इंडिया 11 सालों से आईसीसी ट्रॉफी की तलाश में थी। कप्तान बदले, लेकिन रिजल्ट हर बार एक ही था। फाइनल या सेमीफाइनल में जाकर टीम इंडिया का चोक करना। फिर बतौर कप्तान एंट्री हुई रोहित शर्मा की। रोहित शर्मा की कप्तानी में भी टीम इंडिया का हाल ऐसा ही था, लेकिन 2022 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने अपने गेम को पूरी तरह से बदल दिया। इसके बाद भारत ने जीता टी20 वर्ल्ड कप 2024 और फिर जीता चैंपियंस ट्रॉफी 2025। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी लगभग ट्रॉफी का स्वाद चख ही लिया था, लेकिन फाइनल में भारत चूक गया।

रोहित शर्मा की कप्तानी में जब-जब भारत चैंपियन बना। देश तो खुश हुआ, लेकिन बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के साथ अन्याय किया। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया। हालांकि यह उनका निजी फैसला था। फिर भी कहीं न कहीं चैंपियन बनने के बाद एक कप्तान का संन्यास लेना काफी अजीब का अहसास करवा जाता है। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित खुद को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए तैयार कर रहे थे, लेकिन सेलेक्टर्स तो कुछ अलग ही गेम करने के प्लान में थे।

\चैंपियंस ट्रॉफी भारत तो जीत गया, लेकिन रोहित कप्तानी हार गए। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि रोहित शर्मा के लिए आईसीसी ट्रॉफी पनौती है। इससे पहले एमएस धोनी, कपिल देव, सौरव गांगुली ने भी भारत के लिए आईसीसी ट्रॉफी जीता, लेकिन उनके साथ कभी ऐसा नहीं हुआ।

'वो टीम इंडिया में क्यों हैं?', इस खिलाड़ी के सिलेक्शन पर तिलमिलाए दिग्गज, गंभीर-अगरकर को लताड़ा!

मुंबई, **6** अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम का ऐलान हो गया है. इसी बीच कुछ फैसले काफी चर्चा का विषय बने हैं. रोहित शर्मा अब वनडे कप्तान नहीं हैं और शुभमन गिल को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है. वनडे और टी20 टीम में हर्षित राणा को जगह मिली है और अब पूर्व भारतीय कप्तान के श्रीकांत ने इस फैसले की आलोचना की है. वो राणा के सिलेक्शन पर तिलमिलाए और उन्होंने गंभीर-अगरकर को भी अपने फैसलों के लिए लताड़ा.

'हर्षित राणा टीम में क्यों हैं?'

के श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर टीम इंडिया के सिलेक्शन के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि भारतीय टीम में किसी की जगह तय नहीं है. लगातार बदलाव होते जा रहे हैं. उन्होंने हर्षित राणा के सिलेक्शन पर भी बात की. उन्होंने कहा, 'इस तरह के फैसले लगातार लेकर आप खिलाड़ियों को कन्फ्यूज कर रहे हैं. उन्हें भी नहीं पता है कि उनका सिलेक्शन होगा या नहीं. अचानक से यशस्वी जायसवाल आ गए हैं और अगली बार वो नहीं होंगे. सिर्फ टीम में एक ही परमानेंट सदस्य है, हर्षित राणा. किसी को नहीं पता कि वो (हर्षित राणा) टीम में क्यों हैं. लोगों को हटाने और टीम में लगातार बदलाव करने से आप खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कम कर रहे हैं.'

गौतम गंभीर को बनाया निशाना

के श्रीकांत ने बताया कि हर्षित राणा सिर्फ इसी वजह से टीम में है, क्योंकि वो गौतम गंभीर की बातें मानते हैं. उन्होंने कहा कि ऐसा चलता रहा, तो भारत ट्रॉफी नहीं जीत पाएगा. उन्होंने कहा, 'आप कुछ प्लेयर्स को नहीं चुनते, जो अच्छा करते हैं और उन्हें ले लेते हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं. हर्षित राणा की तरह बनो और गौतम गंभीर की बातों पर लगातार हां बोलो. आपको 2027 के वर्ल्ड कप पर फोकस करना चाहिए. मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक ऐसा नहीं किया है. हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को अगर आप चुनते रहेंगे, तो फिर आप ट्रॉफी को अलविदा कह रहे हैं.'

11 अक्टूबर को रामपुर में सजेगी ऑल इंडिया जश्न ए ज़ैदे शहीद की महफिल

नोएडा (चेतना मंच)। पहली बार कारवाने अदब रामपुर की जानिब से एक अजीमुशशान महफिल ऑल इंडिया जश्न ए ज़ैद ए शहीद (फ़रज़नदे इमाम ज़ैनुल आबेदीन अ.स) की याद में 11 अक्टूबर रात 7.30 बजे रामपुर के इमामबाड़ा कि़ला में जश्न-ए- जैसे महफिल सजेगी। जिसमें हिंदुस्तान के मशहूर आलमी शोहरत याफ़ता शाइर आलीजनाब अज़हर इनायती, शहज़ादा गुलरेज ,अल्तमश अब्बास, (मुंबई) हाशिम फिरोजाबादी, इब्राहीम अली ज़ीशान (जयपुर) नायाब बाल्यावी (इलाहाबाद) संजय मिश्रा अशोक (लखनऊ) कुमेंल (इलाहाबादी) आसिफ जलाल(दिल्ली) शाहिद कमाल (लखनऊ) मेराज मंगलोरी ,सलीम शुजा अंसारी (फिरोजाबाद) अदील जाफरी (बरेली) रिजवान अमरोहवी , मुजीब शहजर (अलीगढ़) ,आकिब (फिरोजाबाद) आदि शायर शिरकत फ़रमाएँगे ।

इस महफ़लि की निज़ामत रशीद हिलाल रिज़्वी करेंगे और इस प्रोग्राम में मेहमान ए खुसूसी जनाब

हसन अहमद साहब पूर्व विधायक मुस्तफाबाद दिल्ली, जनाब अशजे रज़ा ज़ैदी अध्यक्ष ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (उत्तर प्रदेश) जनाब नदीम अब्बास जैदी चेयरमैन (नौगावा सादात), शाह रज़ा शाही (नौगांवा) होगे। जश्न में शहजादा गुलरेज को ऑल इंडिया अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा जाएगा।

मैं निराश हूं! रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाए जाने पर छलका हरभजन सिंह का दर्द

शुभमन गिल के लिए कही बडी बात

नई दिल्ली, **6** अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा का बतौर कप्तान ऑस्ट्रेलिया दौरे पर न जाना बेहद चौंकाने वाला है। जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए हरभजन ने कहा, 'शुभमन गिल को बधाई। वह टेस्ट क्रिकेट में टीम का अच्छा नेतृत्व कर रहे हैं। अब उन्हें वनडे का कप्तान भी बना दिया गया है। सच कहूं तो, रोहित को कप्तान न बनते देखना मेरे लिए थोड़ा चौंकाने वाला है। अगर आप रोहित शर्मा को चुन रहे हैं, तो उन्हें कप्तान जरूर चुनें, क्योंकि उन्होंने हाल ही में आपको आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताई है।'

हरभजन ने कहा, 'रोहित सीमित ओवरों के प्रारूपों में भारतीय क्रिकेट के स्तंभों में से एक रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें कम से कम इस दौरे पर तो मौका मिलना ही चाहिए था। अगर चयनकर्ता 2027 के वनडे विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं, तो वह अभी बहुत दूर है।' पूर्व स्पिनर ने कहा, 'शुभमन के पास वनडे कप्तान की भूमिका में ढलने के लिए अभी बहुत समय है। उन्हें जो मौका दिया गया है, इसमें थोड़ी देरी हो सकती थी। वह छह से आठ महीने या एक साल भी इंतजार कर सकते थे। मैं शुभमन के लिए खुश हूं, लेकिन साथ ही, रोहित शर्मा के कप्तान न होने से थोड़ा निराश भी हूं।'

रोहित शर्मा का रिकॉर्ड है शानदार-हरभजन सिंह

रोहित के वनडे करियर पर हरभजन सिंह ने कहा, 'अगर आप रोहित के वनडे रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो उनका औसत लगभग 50 के आसपास है। यह दर्शाता है कि वह कितने निरंतर रहे हैं और एक सलामी बल्लेबाज के रूप में कितना योगदान देते हैं। भारत के लिए खेलने के मामले में उनके प्रदर्शन और उनके दृष्टिकोण पर कोई संदेह नहीं है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी रहे हैं, और यह बात नहीं बदलेगी।'

उन्होंने कहा, 'रोहित कप्तान हों या नहीं, टीम में हमेशा नेतृत्व की भूमिका में रहेंगे। जरूरत पड़ने पर वह शुभमन या किसी और को सलाह देते रहेंगे। एक बल्लेबाज के रूप में, रोहित अपना दृष्टिकोण नहीं बदलेंगे। वह पहले की तरह निडर रहेंगे, और विराट कोहली भी। ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाते रहेंगे, और हम सभी उन्हें टीम इंडिया के लिए मैच जीतते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।' बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम घोषित कर दी गई है। रोहित की जगह शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। वहीं, गिल की जगह उप-कप्तानी श्रेयस अय्यर को दी गई है।

चैंपियनशिप से पहले वजन बढ़ने से हो गई थीं परेशान

खाना छोड़ा; कोच और बच्चों से मिली प्रेरणाः चानू

नई दिल्ली, **6** अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप से पहले दो दिन तक मीराबाई खुद से लड़ाई लड़ रही थीं। उनका वजन काबू नहीं आ रहा था। उन्हें 48 किलो भार वर्ग में खेलना था और वजन 50 के आसपास था। नॉर्वे में कड़ाके की सर्दी थी और तापमान सात से नौ डिग्री सेल्सियस के बीच था। वजन कम नहीं होते देख मीरा ने दो दिन पहले ही खाने का त्याग कर दिया। मीरा अमर उजाला को बताती हैं कि उन्होंने अपने पूरे कॅरिअर में वजन कम करने को लेकर इस तरह कठिनाई नहीं देखी। उनके पास खाना छोड़ने के अलावा कोई चारा नहीं था। वह गला तर करने के लिए सिर्फ थोड़ा सा पानी और सूप ही ले रहीं थी। इसके बाद ही वह बमुश्किल 48 किलो पर पहुंचीं और कंपटीशन में उतरीं। बावजूद इसके उन्होंने 199 किलो वजन उठाया।

पसंदीदा इरोंबा और चावल भी छोड़ दिया

बीते वर्ष ही अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने भारवर्गों में फेरबदल किया था। मीरा बताती हैं कि उनके पास 48 और 53 किलो में ही खेलने के विकल्प थे। कोच की सलाह पर वह वापस 48 किलो में आईं, लेकिन यह आसान नहीं था। उनका शरीर 49 किलो के हिसाब से ढल चुका था। 48 किलो पर आना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। इसके लिए उन्होंने पसंदीदा भोजन इरोंबा और चावल का भी त्याग कर दिया।

उनकी डायटीशियन ने बोला उन्हें कार्बोहाइड्रेट बिल्कुल नहीं लेने हैं। उन्होंने यही किया। मीरा कहती हैं कि उनके लिए यह पदक बहुत बड़ा है। इसने उनके अंदर वापस विश्वास जगाया है कि वह कुछ कर सकती हैं। इसे वह अपने कोच विजय शर्मा और अपने परिवार को समर्पित करती हैं। उन्होंने ही पेरिस ओलंपिक के बाद उन्हें टूटने नहीं दिया और हौसला जगाकर रखा।

पृष्ठ एक के शेष....

दो लाख न...

वालों ने उस पर मायके से 2 लाख रुपए लाने का दवाब बनाना शुरू कर दिया। दहेज की मांग पूरी न होने पर आए दिन उसके साथ मारपीट की जाने लगी। अपने साथ हो रहे अत्याचारों की शिकायत उसने अपने परिजनों से की। उन्होंने भी ससुराल वालों को काफी समझाया लेकिन उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। दर्ज कराई रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह 11 जनवरी 2024 से अपने मायके में रह रही है। इस दौरान उसे पता चला कि उसके ससुराल वाले उसके पति की दूसरी शादी कराने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति समदर्श चौहान, सास पूनम चौहान, ससुर प्रिया रंजन, नंद भावना चौहान, चाचा रवि चौहान व चाची ओमवती चौहान के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

उत्तर प्रदेश में जहरीले...

श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित सिरप, कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डीईजी एक जहरीला पदार्थ है जिसका उपयोग औद्योगिक सॉल्वैंट्स में किया जाता है जो कम मात्रा में भी निगलने पर घातक हो सकता है।गुणवत्ता की विफलताओं का कारण बनने वाले अंतरालों की पहचान करने और प्रक्रिया में सुधार का सुझाव देने के लिए छह राज्यों में जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया गया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कथित तौर पर कफ सिरप के सेवन से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि आठ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, राजस्थान, तेलंगाना, केरल सहित कई राज्यों ने एडवाइजरी जारी की और कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने एक जांच शुरू की है और कोल्ड्रिफ कफ सिरप के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ कार्रवाई करेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को दवा के तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है और बच्चों को कफ सिरप निर्धारित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन नमूनों को परीक्षण के लिए लखनऊ स्थित एक प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। आदेश में अगली सूचना तक सरकारी और निजी संस्थानों में कफ सिरप के आयात और निर्यात पर भी रोक लगा दी गई है।

सफाईकर्मी को ...

को अपनी पत्नी से मिलने के लिए आया था। जब वापस अपने घर जाने के लिए निकाला तो सफाईकर्मी के साथ उसका विवाद हो गया था। गुरुवार के दौरान उसने गुस्से में पिस्तौल निकालकर उसे डरा धमका दिया था। इस दौरान किसी व्यक्ति ने इस पूरे वाकये की वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।

मोदी व नीतिश कुमार ...

प्रेम प्रकाश उर्फ चिंटू, एवं जिला प्रभारी सिद्धनाथ मिश्रा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठकों में आगामी चुनाव को लेकर बूथ सशक्तिकरण, संगठन विस्तार, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने, तथा समाज के सभी वर्गों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठकों के बाद सांसद डा0 महेश शर्मा ने देव (औरंगाबाद) स्थित पावन देव सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर के दर्शन कर प्रदेश एवं देश की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, देव के पूर्व उपप्रमुख मनीष पाठक तथा अन्य समर्पित कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

वहीं, गया जिले के भाजपा पूर्वी मंडल डुमरिया में आयोजित महिला सदस्यता कार्यक्रम में सैंकड़ों महिलाओं ने भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने उपस्थित होकर सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष राहुल कुमार सोनी एवं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती रिंकी सिंह ने किया। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सड़क हादसों में गई...

वहीं थाना सेक्टर-20 में अर्जुन प्रजापति ने एक कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है दर्ज रिपोर्ट में अर्जुन प्रजापति ने बताया कि 4 अक्टूबर को वह शनि मंदिर पर था। इस दौरान तेज गति में आ रही एक कार ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उक्त व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि अर्जुन प्रजापति द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

पूजा-पाठ के...

पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाला ला जा रहा है।

'पराली जलाई तो...

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर न्याय पंचायत स्तर, विकास खण्ड स्तर एवं तहसील स्तर पर गठित सचल दलों एवं सेटेलाइट के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। यदि कोई भी कृषक पराली जलाने की घटना में दोषी पाया जाता है, तो उसके विरूद्ध राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम की धारा-24 के अन्तर्गत अर्थदण्ड की कार्यवाही की जायेगी।

पड़ोसियों ने घर में...

बचाने आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। मारपीट में तीनों को गंभीर चोटें आई उसके पिता की हालात को देखते हुए उन्हें नोएडा स्थित जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

प्लाट बेचने के नाम...

डरा रहे हैं। इस मामले में उसने थाना सूरजपुर पुलिस से शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय में प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना सूरजपुर पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने ताहिर सैफी और फरमान सैफी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग में रोजगार के अवसर

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग बहुत तेजी से बढ़ता फील्ड है, जो क्लीन, रिन्यूएबल एनर्जी उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा का इस्तेमाल करने पर फोकस करती है। जिस प्रकार से दुनिया बिजली के अधिक सस्टेनेबल सोर्स की ओर बढ़ती जा रही है, विंड एनर्जी एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरी है, जिसमें आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री के लिए 3 से 4 वर्ष, पोस्ट ग्रैजुएट कोर्स के लिए 2 वर्ष लगते हैं। इसकी योग्यता की बात करें तो बैचलर डिग्री के लिए मान्यताप्राप्त बोर्ड से 10+2, जबकि मास्टर्स डिग्री के लिए बैचलर डिग्री जरूरी है।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग क्या है?

यह इंजीनियरिंग का फील्ड है, जो विंड एनर्जी सिस्टम्स के डिजाइन, डिवेल्पमेंट और इंप्लीमेंटेशन पर फोकस करता है। इसमें विंड टर्बाइन्स और उनसे जुड़े घटकों, जैसे रोटर, जैनरेटर और कंट्रोल सिस्टम के डिजाइन और कंस्ट्रक्शन के साथ-साथ इन घटकों का बड़े विंड फॉर्म्स में इंटीग्रेट करना शामिल है। विंड एनर्जी इंजीनियर विंड एनर्जी सिस्टम्स की एफिशिएंसी और रिलायबिलिटी को ऑप्टिमाइज करने पर भी काम करते हैं और वे विंड फॉर्म्स की प्लानिंग और आप्रेशन में शामिल होते हैं। विंड एनर्जी इंजीनियरिंग का लक्ष्य सस्टेनेबल एनर्जी उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा का इस्तेमाल करने के स्थायी और लागत प्रभावी तरीके बनाना है।

विंड एनर्जी एक क्लीन और रिन्यूएबल ऊर्जा स्रोत है, जो ग्रीन हाऊस गैस एमिशन को कम करने और क्लाइमेट चेंज से निपटने में मदद करता है। विंड एनर्जी इंजीनियरिंग में काम करके आप धरती के लिए अधिक सस्टेनेबल भविष्य बनाने में योगदान डाल सकते हैं।

सम्भावनाएं

विंड एनर्जी इंडस्ट्री के विकास के साथ, डिजाइन, डिवेल्पमैंट, प्रोजैक्ट मैनेजमैंट और मेंटेनेंस जैसे फील्ड्स में जॉब के विकल्प बढ़ रहे हैं। इसका मतलब यह है कि विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के बैकग्राऊंड वाले लोगों के लिए करियर के कई रास्ते उपलब्ध हैं।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के लिए स्किल्स

इसके लिए इन प्रमुख स्किल्स की आवश्यकता होती है प्रोडक्टिव; प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स; सेफ्टी एवेयरनैस; इफैक्टिव कम्युनिकेशन; प्रोजैक्ट मैनेजमैंट स्किल्स; एनालिटिकल स्किल्स; इंजीनियरिंग डिजाइन, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स की नॉलेज; किसी भी एनवायरनमैंट में काम करने की क्षमता।

कैसे बनाएं करियर

इंजीनियरिंग की डिग्री अर्जित करें: विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के लिए इंजीनियरिंग में एक मजबूत पकड़ की आवश्यकता होती है इसलिए आप मैकेनिकल, इलैक्ट्रिकल या सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त करके शुरुआत करें। विंड एनर्जी के फंडामेंटल्स को जानें विंड टर्बाइन टैक्नोलॉजी, एयरोडायनामिक्स और पावर कनवर्जन सिस्टम सहित विंड एनर्जी के फंडामेंटल्स को समझें।

प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस प्राप्त करें

इंडस्ट्री में एक्सपीरियंस प्राप्त करने के लिए विंड एनर्जी कम्पनीज में इंटर्नशिप या एंट्री लैवल जॉब की तलाश करें।

विंड टर्बाइन डिजाइन करें ब्लेड, रोटर और जैनरेटर सहित विंड टर्बाइन कम्पोनेंट्स को डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सी.ए.डी.) सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करें।

विंड डाटा एनालाइज करें: विंड डाटा को एनालाइज करने और विंड टर्बाइनों की ऑप्टिमल लोकेशन, साइज और कैपेसिटी का निर्धारण करने के लिए स्टैटिस्टिकल मॉडल का इस्तेमाल करें।

पवन टर्बाइन की परफॉर्मेंस का आकलन करें

विंड टर्बाइन के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और किसी भी समस्या या संभावित सुधार की पहचान करने के लिए एडवांस मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल करें।

विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें: यह सुनिश्चित करें कि विंड एनर्जी प्रोजैक्ट से पर्यावरण पर होने वाला प्रभाव सुरक्षा मानकों सहित लोकल, स्टेट और फैडरल रूल्स का अनुपालन करते हैं। लगातार सीखें और नया करें विंड एनर्जी टैक्नोलॉजी में लेटेस्ट डिवेल्पमैंट पर अप टू डेट रहें और विंड टर्बाइन एफिशिएंसी और परफॉर्मेंस में सुधार के लिए नए सॉल्यूशंस का इनोवेशन करना जारी रखें।

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

आई.आई.टी. मद्रास; नैशनल इंस्टीच्यूट आफ विंड एनर्जी चेन्नई; आई. आई.टी. बॉम्बे नैशनल इंस्टीच्यूट आफ टैक्नोलॉजी कर्नाटक; सरदार पटेल रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च इंस्टीच्यूट आनंद; आई.आई.टी. खड़गपुर; एन.आई.टी. तिरुचिरापल्ली; अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग; आई.आई.टी. दिल्ली; एन.आई.टी. वारंगल आदि।

अमीर बनना चाहते हैं तो यह है बेस्ट करियर विकल्प

कहा जाता है कि सही समय पर लिया गया सही फ़ैसला ज़िंदगी में तरक्की के रास्ते खोलता है। अमीर बनने का सपना तो सभी देखते हैं लेकिन हर कोई अमीर नहीं बन पाता है, क्योंकि इसका एक सीधा सा कारण है आपके द्वारा लिए गए फैसले ही आपका भविष्य तय करते हैं। कहने का मतलब सीधा सा है कि अगर सही रास्तों पर चलोगे तो ज़िंदगी में सफल हो पाओगे नहीं तो ज़िंदगी में संघर्ष तो है ही। ख़ासकर जब हम कॉलेज में होते है तब अगर सही कैरियर विकल्प को चुन ले तो हम अमीर बन सकते है।

अगर आप भी जल्दी से अमीर बनने का सपना देख रहे है, और आप स्टूडेंट है तो इन तीन में से किसी एक फील्ड में कैरियर बना सकते है।

वेब डिजाइनर

अगर आपको डिजाइनिंग का शौक है तो वेब डिजाइनिंग आपके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आपको बता दें कि वेब डिजाइनिंग इंडस्ट्री में हर साल जॉब खुलते है और यहाँ अच्छे और क्रिएटिव प्रोफेशनल के लिए काम के साथ खूब सारा पैसा भी है। वेब डिजाइनिंग में आपको अपने क्लाइंट के लिए वेबसाइट डिजाइन करनी होती है, यहां आप बेहतर जॉब तो पा ही सकते है साथ ही खुद काम करके भी लाखों कमाया जा सकता है।

इन्वेस्टमेंट बैंकर

अगर आपको फाइनेंस और स्टॉक मार्केट में इंटरेस्ट है तो इन्वेस्टमेंट बैंकिंग आपके कैरियर को पंख लगा सकती है। हालांकि इस फील्ड के लिए आपको बैंकिंग, फाइनेंस स्टॉक मार्केट, इन्वेस्टमेंट ट्रेड की अच्छी जानकारी होना चाहिए। आपको बता दें कि इस फील्ड में पैसों की कोई कमी नहीं है, ये फील्ड हमेशा से ही एक हॉट कैरियर रहा है। अगर आप जल्द अमीर बनने का सोच रहे है तो इंवेस्टमेंट बैंकर बनकर आप अपना सपना पूरा कर सकते है।

करियर में चाहिए सफलता तो इन बातों का रखें ध्यान

करियर में आगे बढ़ने का सपना हर किसी का होता है ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ ख़ास बातें बताने वाले हैं। करियर में आगे बढ़ना तो सभी चाहते हैं। हम सभी को यह लगता है कि बस कैसे भी करके हमें जल्दी से प्रमोशन मिल जाएं। इसके लिए कई बार हम अपने टैलेंट के हिसाब से नई नौकरियां भी ढूंढते रहते हैं। ज़्यादातर कंपनियां मल्टी टैलेंटेड लोगों को ही हायर करना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ना चाहते हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं।

व्यवहार पर दें खास ध्यान

आपको अपनी टीम के साथ अपना रिश्ता अच्छा बनाकर रखना चाहिए। कई बार कुछ चीजों पर हमें काफ़ी ज़्यादा गुस्सा आ जाता है। अगर ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आप अपने व्यवहार को ध्यान में रखते हुए ही कुछ कदम उठाएं। कई बार जल्दबाजी में लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है। स्थिति चाहे कितनी भी ख़राब क्यों न हो आपको नियंत्रण करना आना चाहिए।

बातचीत का तरीका

कोशिश करें कि आप ज़्यादा से ज़्यादा अपने बॉस से बातें करें। कॉरपोरेट जॉब में ऐसा करना बहुत ही ज़्यादा ज़रूरी है। अगर आपके बाल 9-5 जॉब करके वापस घर आ जाती है तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला है। ना ही आपको करियर में आगे सफलता मिलने वाली है। किसी भी प्रोफ़ेशन के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स काफ़ी ज़्यादा ज़रूरी है। इसलिए हमेशा अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए।

नई चीजें सीखने की लगन

अगर आपको कोई टास्क दिया गया है जो आपको बिलकुल भी नहीं आता है तो परेशान न होए और न ही अपने बॉस को यह कहे कि आपको यह काम नहीं आता है। आपको यह कहना चाहिए कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है लेकिन मैं इसमें काम करना चाहूंगी। ताकि मैं इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकूं। ऐसे में आपका बॉस आपसे इंप्रेस हो जाएंगे।

काम में गलती करने से बचे

आपकी एक गलती आप पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप अपने करियर में आगे जाना चाहती हैं तो आपको अपने काम को लेकर डेडिकेशन दिखाना होगा। इसके लिए कोशिश करें कि काम करते वक्त कोई भी गलती ना करें। गलतियां तभी होती है जब हम जल्दबाजी में काम करते हैं। जल्दबाजी में आकर काम करना बंद कर दें।

सफलता का सही उपयोग करें

अपने विषय की अच्छी जानकारी, कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और भरपूर उत्साह से सम्पन्न होते हुए भी ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोग अपने जीवन में वह सफलता अर्जित नहीं कर पाते हैं जो कई मायनों में उनसे कमतर लोग हासिल कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में व्यावसायिक योग्यता और दक्षता के बावजूद विफल लोगों के पास कुंठित होकर कुढ़ते रहने के अलावा कोई और चारा नहीं बचता। हालांकि, अगर थोड़ी समझदारी से काम लें और कारणों की तलाश करें तथा अपने विकास के लिए तत्पर हों तो वे भी थोड़ी देर से सही परंतु सफल हो सकते हैं।

दक्षता का सही उपयोग

सफल लोग कोई अलग काम नहीं करते हैं, वह बस वह हर काम अलग तरह से करते हैं। गौर से देखें तो योग्य लोगों के विफल होने के पीछे वजह उनकी दक्षता नहीं बल्कि सिर्फ अपनी दक्षता के प्रस्तुतिकरण में कमी होती है। इन सामान्य बातों को न सीख पाने से कहीं न कहीं आपका व्यक्तित्व कमजोर बनता है। आमतौर पर देखा जाता है कि व्यक्तित्व की कमजोरियों की वजह से बार-बार समाज में अस्वीकार किए जाने के बाद लोग हताश हो जाते हैं। फिर वही लोग कहने लगते हैं कि क्या करें ? अब हम तो ऐसे ही हैं लेकिन नहीं साहब, आपका ऐसे ही होना कोई नियति नहीं है और अगर आप समझदारी से काम लें तो अपने होने के तौर-तरीकों को थोड़ा बदल लेने में कोई नुक्सान भी नहीं है। व्यक्तित्व में बदलाव का अर्थ कोई अस्तित्व में बदलाव नहीं है बल्कि यह आपके विकास की प्रक्रिया का एक हिस्सा है।

इंडियन आर्मी ग्रुप-सी भर्ती शुरू, 10वीं-ITI पास वालों के लिए शानदार मौका

भारतीय सेना में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार अवसर आया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स ने ग्रुप सी पदों पर नई भर्ती के लिए पंजीकरण शुरू कर दिया है। इस भर्ती के माध्यम से उम्मीदवारों को देशभर के विभिन्न आर्मी बेस पर नियुक्त किया जाएगा।

आवेदन 4 अक्तूबर 2025 से शुरू हो चुके हैं। उम्मीदवारों को आवेदन ऑफलाइन मोड में करना होगा। फॉर्म भेजने की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर 2025 तय की गई है, यानी अभ्यर्थियों को कुल 20 दिनों का समय मिलेगा। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र भरकर निर्धारित पते पर डाक के माध्यम से भेजना होगा।

भरे जाएंगे कुल इतने पद

इस भर्ती अभियान के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर में कई तरह के पदों पर नियुक्तियां होंगी। इनमें लोअर डिवीजन क्लर्क (LDC), फायरमैन, व्हीकल मैकेनिक, फिटर, वेल्डर, ट्रेड्समैन, कुक, और इलेक्ट्रीशियन जैसे पद शामिल हैं। कुल 194 रिक्तियां जारी की गई हैं। सेना में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक उत्कृष्ट अवसर है।

योग्यता और आयुसीमा

उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। तकनीकी पदों के लिए संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रमाणपत्र अनिवार्य है। आवेदन करने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 25 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट मिलेगी।

आवेदन की प्रक्रिया

सबसे पहले उम्मीदवार भर्ती नोटिफिकेशन से आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

आवेदन फॉर्म में अपनी जानकारी हस्तलिखित रूप में स्पष्ट रूप से भरें।

पासपोर्ट साइज फोटो सही स्थान पर चिपकाएं और 5 रुपये का पोस्टल स्टांप लगाएं।

भरा हुआ फॉर्म व जरूरी दस्तावेज इस पते पर भेजें - कमांडेंट, 505 आर्मी बेस वर्कशॉप, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली - 110010

कृषि में 'ड्रोन टैक्नोलॉजी'

रोबोटिक्स और ड्रोन टैक्नोलॉजी भी आजकल बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यही तकनीक खासतौर पर बड़ी जोत के खेतों में खाद के इस्तेमाल और कीटनाशकों के छिड़काव में अत्यंत उपयोगी है।

रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक से एक दवा का छिड़काव किया जा सकता है और इसमें किसानों का दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और भूजल को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्टनसेंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रेसिजन हॉक, रोबोप्लांट, आईबैक्स ऑटोमेशन, त्रिथि रोबोटिक्स इत्यादि इस सैक्टर की महत्वपूर्ण एग्रीटेक स्टार्टअप कम्पनियां हैं। कृषि उद्यमिता की चुनौतियां : यह सही है कि पिछले करीब एक दशक में एग्री स्टार्टअप कम्पनियों की बाढ़ आ गई है और इनमें विदेशी फंड जमा कर पैसा लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

मुनाफा कमाना किसी भी कारोबार के एकड़ खेत में सिर्फ 6 मिनट में लिहाज से महत्वपूर्ण होता है। इसी तरह शिक्षा और जागरूकता दूसरा फैक्टर है, जिससे कोई भी नया उद्यमी किसानों के साथ कारोबार करने में हिचकिचाता है। किसान गरीब और कम शिक्षित होने के कारण शून्य जोखिम पर काम करना चाहता है। ऐसे में उसे किसी भी नए उत्पाद या सेवा के लिए तैयार करना कठिन होता है।

कैरियर हमेशा सिर्फ कमाई का साधन ही नहीं रहा वह सामाजिक हैसियत का आईना भी होता है

कैरियर हमेशा सिर्फ कमाई का साधन ही नहीं रहा, वह सामाजिक हैसियत का आईना भी होता है, इस बात को हम सब जानते हैं। एक जमाने में डॉक्टर और इंजीनियर बनना महज एक पेशा चुनना नहीं था बल्कि में सोशल स्टेटस हासिल करना भी था। ठीक उसी तरह से जैसे इन दिनों किसी टेक्नो स्टार्टअप का फाउंडर होना या किसी बड़ी टेक कंपनी में मैनेजमेंट में होना है। इस समय के सोशल स्टेटस कैरियर्स में डेटा साइंटिस्ट, एआई एक्सपर्ट जैसे टेक वर्ल्ड के नये डॉक्टर, इंजीनियर, फैशन और ओटीटी से जुड़े क्रिएटिव कैरियर स्टेटस सिंबल हैं। सोशल मीडिया में बड़ा कंटेंट क्रिएटर होना भी स्टेटस है। लेकिन सबसे लोकप्रिय कैरियर स्पोर्ट्स की दुनिया से आते हैं, वह भी क्रिकेट और बैडमिंटन जैसे खेलों से। लेकिन अगर टेक्नोलॉजी की ठोस दुनिया की बात करें तो ग्रीन एनर्जी और हेल्थ केयर सेक्टर ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कैरियर बनाना स्टेटस सिंबल है।

आईसीएस, आईएएस की शान

लेकिन आज के ये तमाम कैरियर एक दशक के पहले तक भी रोजगार के परिदृश्य में नहीं थे और अगर थे भी तो इनकी खास हैसियत नहीं थी। आजादी के बाद अलग-अलग दशकों में अलग अलग कैरियर भारत में सोशल स्टेटस सिंबल रहे हैं। अगर 1950 से 1960 के दशक तक सरकारी अफसर होना विशेषकर आईसीएस, आजादी के बाद में आईएएस और आईपीएस होना न सिर्फ कैरियर के लिहाज से बल्कि समाज में इज्जत के लिहाज से भी शानदार था।

डॉक्टर और प्रोफेसर की प्रतिष्ठा का दौर

इसके बाद 1960 के दशक में जिन पेशों को हम समाज की नजरों में सबसे ऊंचा पेशा गिन सकते थे, उनमें डॉक्टर और प्रोफेसर की इंट्री हो गई। नेहरू युग में विज्ञान, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खूब जोर दिया गया था, साथ ही इन पेशों की अच्छी खासी इज्जत भी बनी। सत्तर के दशक में यह हैसियत इंजीनियरों और पीएसयू में प्रोफेशनल्स होना कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया था। दरअसल 1970 का दौर भारी उद्योग और पब्लिक सेक्टर का दौर था। इसी दौर में भेल, सेल और ओएनजीसी पब्लिक उपक्रम देश की प्रतिष्ठा में चार चांद लगाने वाले उपक्रम बनकर उभरे थे। ऐसे में इन संस्थानों में इंजीनियर होना, सामाजिक रूप से गर्व की बात थी और यही वह दौर था, जब आईआईटी से निकलना भी हीरो बनने के जैसा था।

बैंक मैनेजर और रेलवे के अफसर

1980 का दशक आते-आते बैंक और वित्तीय संस्थानों में अधिकारी होना महत्वपूर्ण हो गया था। दरअसल 1980 के दशक में हर कोई अपना कारोबार जमाने या अपनी हैसियत को ऊपर उठाने के लिए बैंक से लोन लेकर आगे बढ़ रहा था। इन दिनों बड़े पैमाने पर देश में पक्के मकान बनने शुरू हुए और होम लोन का एक सिलसिला भी। जिस कारण समाज में बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण बन गई। 1980 के पहले बैंकों से रिश्ता बमुश्किल 20-25 फीसदी भारतीयों का था, उसके बाद 40-50 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप से बैंक से जुड़ने लगे। जाहिर है इस दौर में बैंक ऑफिसर होना महत्वपूर्ण हो गया था। उस दौर में बैंक मैनेजर की पूछ बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। इसके अलावा एलआईसी में मैनेजर के पद में होना, रेलवे में बड़ा अधिकारी होना और टेलीकॉम सेक्टर में इंजीनियर होना भी शानदार था।

आईटी और एमबीए के चमकते कैरियर

फिर आया 1990 का दशक जिसमें आईटी और एमबीए सबसे महत्वपूर्ण सोशल स्टेटस बनाने वाले कैरियर बनकर उभरे। लिबरलाइजेशन के बाद भारत में पहली बार आईटी क्रांति हुई, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियों में नौकरी पाना आईएएस या आईपीएस से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। आईआईएम से एमबीए और एमएनसी में जाना स्टेटस सिंबल बन गया। एनआरआई खास तौरपर अमेरिका में नौकरी भी समाज की सबसे ऊपरी प्रतिष्ठा का हिस्सा बन गया। कारपोरेट मैनेजमेंट और ग्लोबल कैरियर पढ़े-लिखे शहरी, मिडल क्लास के बीच सबसे बड़े सोशल स्टेटस सिंबल बने।

स्टार्टअप, क्रिएटिव इंडस्ट्री से एआई

लेकिन साल 2000 का दशक आते-आते स्टार्टअप और क्रिएटिव इंडस्ट्री की दुनिया चमकी। जिस कारण फ्लिपकार्ट, पेटीएम, ओला जैसे स्टार्टअप फाउंडर्स को समाज में हर कोई जानने लगा और इनकी चर्चा होने लगी। डिजिटल मीडिया, फिल्म निर्माण और फैशन इंडस्ट्री भी स्टेटस का प्रतीक बन गये। कारपोरेट लॉयर के अलावा चार्टर्ड एकाउंटेंट का पेशा भी महत्वपूर्ण सोशल स्टेटस बना। जबकि 2020 के दशक में टेक और सोशल इम्पैक्ट में एआई, रोबोटिक और डाटा साइंस ने हैसियत की जगह घेर ली और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स तथा कंटेंट क्रिएटर भी बड़े पैमाने पर नोटिस लिए जाने लगे। इसी दौरान ग्रीन एनर्जी और क्लाइमेट इंटरप्रिन्योर की प्रतिष्ठा बढ़ी। क्रिकेट के अलावा इस दौर में सफल खिलाड़ी भी महत्वपूर्ण कैरियर माने गये।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

आरआरबी स्नातक स्तर के 5800 पदों पर भर्ती, 21 अक्तूबर से करें आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने स्नातक स्तर के 5800 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। आरआरबी एनटीपीसी स्नातक स्तर 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 अक्तूबर 2025 से शुरू होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2025 रात 11:59 बजे है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इन पदों पर होगा चयन

स्टेशन मास्टर

मालगाड़ी प्रबंधक

यातायात सहायक (मेट्रो रेलवे)

मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक (CCTS)

कनिष्ठ लेखा सहायक सह टंकक (JAA)

वरिष्ठ लिपिक सह टंकक

कौन कर सकता है आवेदन?

स्नातक स्तर की यह भर्ती उन उम्मीदवारों के लिए है जिनके पास विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या इसके समकक्ष शैक्षिक योग्यता हो और जिनकी आयु 18 से 33 वर्ष के बीच हो।

इस भर्ती का संक्षिप्त नोटिस अक्तूबर के पहले सप्ताह में रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

चयन प्रक्रिया

आरआरबी एनटीपीसी 2025 भर्ती में उम्मीदवारों का चयन कई चरणों के माध्यम से किया जाएगा। इसमें सबसे पहला चरण सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) का पहला चरण होगा, जिसके सफल उम्मीदवार सीबीटी के दूसरे चरण के लिए पात्र होंगे। इसके बाद योग्य उम्मीदवारों को टाइपिंग टेस्ट (कौशल परीक्षा) या योग्यता परीक्षा में बैठना होगा, जो उनके पेशेवर कौशल और योग्यता को परखने के लिए आयोजित की जाती है।

चरणों के अंतिम हिस्से में दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं। दस्तावेज सत्यापन में उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता, आयु, पहचान और अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की जांच की जाती है। इसके बाद उम्मीदवार का चिकित्सा परीक्षण कर उनकी शारीरिक एवं स्वास्थ्य स्थिति की पुष्टि की जाती है, ताकि रेलवे में नौकरी के लिए वे पूरी तरह फिट हों।

अमृत बरसाती चंद्रमा का श्वेत उत्सव

भारतीय संस्कृति में चंद्रमा का विशेष स्थान है। वह केवल आकाशीय पिंड नहीं, बल्कि काव्य का प्रेरणास्रोत, प्रेम का प्रतीक, औषधियों का अधिपति और जीवन का अमृत माना गया है। वर्ष में बारह पूर्णिमाएं आती हैं, लेकिन शरद पूर्णिमा उन सबमें सर्वोपरि मानी जाती है। वैसे भी भारतीय जीवनदर्शन में हर ऋतु, हर पर्व और हर तिथि का अपना गहरा महत्व है। यह वह क्षण है जब आकाश में चंद्रमा सोलह कलाओं से युक्त होकर सम्पूर्ण सौंदर्य और आभा बिखेरता है। पुराणों में वर्णित अमृत मंथन की स्मृति से लेकर श्रीकृष्ण के महारास तक, और आयुर्वेद से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, शरद पूर्णिमा का आकर्षण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारतीय साहित्य में चंद्रमा को सौंदर्य, प्रेम और शांति का प्रतीक माना गया है। कालिदास ने मेघदूत, 'ऋतुसंहार' और रघुवंश में चंद्रमा की आभा का अद्भुत वर्णन किया है। "प्राचीमुदेति सुभगा शरदिन्दुबिम्बा।" संत कवियों ने शरद पूर्णिमा को भक्ति और प्रेम का उत्सव कहा है। सूरदास के पदों में महारास की झलक मिलती है। तुलसीदास ने भी चंद्रमा को सुख और शांति का प्रतीक बताया है। "जैसे शरद निसि चंद चकोरहि, भए प्रेम बस रहहिं न होरहि।। **मीरा ने कृष्ण रास की स्मृति में गाया :** "आज शरद की चांदनी में, नाचो री गोपिका संग श्याम।।" इन साहित्यिक संदर्भों से स्पष्ट है कि शरद पूर्णिमा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि काव्य, कला और सौंदर्य का भी पर्व है। मतलब साफ है यह पर्व हमें बताता है कि पूर्णता का क्षण जीवन में तभी आता है, जब हम संतुलन, जागरण और प्रेम के मार्ग पर चलते हैं। शरद पूर्णिमा केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति और मानव जीवन का उत्सव है। यह हमें याद दिलाती है कि, जागरण ही समृद्धि का मार्ग है। प्रेम ही भक्ति का स्वरूप है। संतुलन ही जीवन का आधार है। चंद्रमा की शीतल किरणों में स्नान करते हुए यह रात हमें बताती है कि जीवन में शांति, संतोष और प्रेम ही वास्तविक अमृत हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं है, बल्कि भारतीय जीवनदर्शन का दर्पण है, जिसमें प्रकृति, स्वास्थ्य, भक्ति, प्रेम, साहित्य और लोकगीत सब एक साथ समाहित हो जाते हैं।

शुभ मुहूर्त – शरद पूर्णिमा इस वर्ष 6 अक्टूबर, सोमवार को है। पूर्णिमा तिथि प्रारंभ : 6 अक्टूबर प्रातः 08:15 बजे, पूर्णिमा तिथि समाप्ति : 7 अक्टूबर प्रातः 05:20 बजे. इस दिन चंद्रमा मीन राशि में और रेवती नक्षत्र में गोचर करेगा। ज्योतिषाचार्यों का मत है कि यह संयोग धन-समृद्धि, सुख और मानसिक शांति का वाहक होता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संयोग धन, शांति और समृद्धि का कारक है। यही कारण है कि शास्त्रों में इस पूर्णिमा को "सर्वसिद्धिदायिनी" कहा गया है।

चंद्रमा और अमृत वर्षा का रहस्य

भारतीय लोकविश्वास के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा से अमृत बरसता है। चंद्रमा औषधियों का अधिपति है, और इस रात उसकी किरणें विशेष रूप से स्वास्थ्यवर्धक होती हैं। इसी विश्वास के कारण इस दिन खीर बनाकर खुले आकाश तले रखी जाती है। रात्रि में वह खीर चंद्रकिरणों से अमृततुल्य हो जाती है। प्रातः इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए शुभ माना जाता है। आयुर्वेद भी मानता है कि शरद ऋतु में चंद्रमा का शीतल और औषधीय प्रभाव शरीर में पित्त दोष को शांत करता है। इसलिए यह पर्व विज्ञान और आस्था के बीच सेतु का कार्य करता है।

सुरेश गांधी

पौराणिक मान्यताएं-शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति शरद पूर्णिमा की रात जागकर लक्ष्मी माता का पूजन करता है, उसके घर दरिद्रता प्रवेश नहीं करती। देवी इस रात विशेष रूप से जागरण करने वालों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। ब्रजभूमि में इस दिन का नाम है रास पूर्णिमा। मान्यता है कि इसी रात भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना तट पर गोपियों के साथ महारास रचाया था। यह दिव्य रास केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अद्वितीय लीला है। संत कवियों ने इसे भक्ति की सर्वोच्च अवस्था बताया है। पुराणों में सोम नामक देवता का संबंध चंद्रमा से बताया गया है। सोम ही जीवन रस है, जो वनस्पतियों और औषधियों में प्रवाहित होता है। शरद पूर्णिमा की रात उस सोम का चरमोत्कर्ष होता है।

सांस्कृतिक और लोक परंपराएं

शरद पूर्णिमा केवल पूजा और उपवास का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन का भी हिस्सा है। ग्रामीण अंचलों में स्त्रियां कजरी गीत गाती हैं और चंद्रमा की आभा में समूह बनाकर नृत्य करती हैं। बंगाल में यह रात कोजागरी लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाई जाती है। महाराष्ट्र और गुजरात में लोग जागरण करते हैं, ढोल-नगाड़ों के साथ लोकगीत गाए जाते हैं। काशी में लोग गंगा घाटों पर दीपदान करते हैं और चंद्रमा की पूजा करते हैं। इस प्रकार यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जीवन का भी महत्वपूर्ण अंग है। ब्रजभाषा में एक कजरी : "आयो रे शरद पूनम कातिक, गगन घरे पूरन चंदा। सखियन संग रस बरसावै, श्याम करत नैया वंदा।।" इन गीतों में लोकजीवन का उल्लास और भक्ति दोनों झलकते हैं।

ऋतु परिवर्तन और स्वास्थ्य की दृष्टि

शरद ऋतु वर्षा के बाद का शुद्ध काल है। आकाश निर्मल हो जाता है, हवा में ताजगी आ जाती है और चंद्रमा की शीतलता तन-मन को स्फूर्ति देती है। इस समय पित्त रोग अधिक बढ़ जाते हैं। चंद्रकिरणों से संचित खीर का सेवन पित्त दोष को शांत करता है। यही कारण है कि आयुर्वेद और लोकविश्वास दोनों में इसका विशेष महत्व है। शरद पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि आकाश, प्रकृति और ऋतुचक्र हमारे जीवन का हिस्सा हैं। जब हम चंद्रमा की ओर देखते हैं, तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ आकाश और शुद्ध वातावरण कैसे बचाया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य

आज के युग में तनाव और अवसाद सबसे बड़ी समस्या है। शरद पूर्णिमा की चांदनी में बैठना, ध्यान करना और परिवार संग समय बिताना मानसिक शांति देता है। यह पर्व हमें आत्मचिंतन और आंतरिक संतुलन की ओर ले जाता है।

वास्तु शास्त्र के उपाय बढ़ाए वैवाहिक जीवन में प्यार और घर की समृद्धि

वास्तु शास्त्र में हर वस्तु और उसकी दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। घर के हर कोने में रखी वस्तु हमारे जीवन, रिश्तों और भाग्य पर प्रभाव डालती है। आज हम बात करेंगे पति-पत्नी के कमरे में हाथी का जोड़ा रखने से जुड़े वास्तु नियमों और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में।

पति-पत्नी के कमरे में हाथी का जोड़ा

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि शयनकक्ष में हाथी की मूर्ति रखने से पति-पत्नी के बीच प्यार और सम्मान बढ़ता है। हाथी का जोड़ा वैवाहिक जीवन में स्थिरता, विश्वास और सौहार्द का प्रतीक माना जाता है।

तिजोरी के पास हाथी और लक्ष्मी मां की तस्वीर

शयनकक्ष के अलावा तिजोरी के दरवाजे पर सूंड उठाए हुए दो हाथी के बीच लक्ष्मी मां की बैठी हुई तस्वीर लगानी चाहिए। साथ ही तिजोरी वाले कमरे में क्रीम या ऑफ-व्हाइट रंग कराना शुभ माना जाता है। इससे घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आर्थिक और मानसिक लाभ के उपाय

आर्थिक संकटों से बचने के लिए हाथी के पांव के नीचे की मिट्टी को कुएं में डालना शुभ होता है। वहीं, अगर आपके घर में पढ़ने-लिखने वाले बच्चों की या घर के किसी अन्य सदस्य की याददाश्त कमजोर हैं, तो इसे बढ़ाने के लिए उस मिट्टी को घी और पानी से सानकर 6 गोलियां बनाएं। इन गोलियों पर सिंदूर लगाएं और एक डिब्बी में रखकर कमरे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में छिपाकर रख दें।

दुश्मनों पर विजय का उपाय

अगर आप अपने दुश्मनों पर विजय पाना चाहते हैं और बिना किसी झगड़े के सब सुलझाना चाहते हैं, तो हाथी के महावत को अंकुश का दान करें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इन छोटे-छोटे उपायों को अपनाकर व्यक्ति जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त कर सकता है। अगर आप भी यहां बताई गई किसी समस्या से परेशान हैं, तो इन टिप्स को अपनाकर देख सकते हैं।

गुरु दक्षिणा की परिभाषा बदल देगी यह एक कहानी

दुनिया हमें यही सिखाती है कि जो हमें मिला है, उसे लौटाना चाहिए लेकिन जब हम एक गुरु के सामने खड़े होते हैं तो यह गणित ही टूट जाता है।

गुरु ने मुझे क्या दिया ? वास्तव में कुछ नहीं। गुरु का देने का मूल्य इस बात में है कि उन्होंने मुझसे क्या छीन लिया- मेरी अज्ञानता, मेरा दुख मेरा भय। उन्होंने वह सब हटा दिया। गुरु ने जो मुझे दिया वह मैं स्वयं था, मेरा स्वरूप जो सदा मेरे भीतर ही था।

अब प्रश्न यह है मैं बदले में क्या दूं ? सच्ची गुरु दक्षिणा यही है कि जो कुछ मैंने उनसे पाया, उसे उसी भावना और करुणा के साथ दूसरों तक पहुंचाऊं। जैसे एक दीपक दूसरे दीप को जलाता है-पहले दीपक की ज्योति कम नहीं होती लेकिन पूरी दुनिया में उजाला फैल जाता है।गुरु दक्षिणा कोई भौतिक वस्तु नहीं, यह एक प्रवाह है, एक धारा है। एक करुणा की नदी, जो हमारे माध्यम से बहती है। यह न तो हमसे शुरू होती है और न ही हम पर समाप्त होती है इसलिए केवल गुरु दक्षिणा देने की कोशिश न करें, स्वयं गुरु दक्षिणा बन जाएं।

आपका पूरा जीवन कृतज्ञता की एक परिपूर्ण अभिव्यक्ति बन जाए। हर श्वास, हर कदम, हर मुस्कान इस उपहार का उत्सव हो जो आपने गुरु से पाया। जो प्रकाश आपने उनसे पाया उसे ही दुनिया के लिए दीपक बना दें- बस यही एकमात्र गुरु दक्षिणा पर्याप्त है। न कुछ और चाहिए, न कुछ और संभव है।

कैसे एक राजा को संत ने समझाया असली जीवन का अर्थ

काशी के एक संत उज्जैन पहुंचे। उनकी प्रशंसा सुन उज्जैन के राजा उनका आशीर्वाद लेने आए। संत ने आशीर्वाद देते हुए कहा, "सिपाही बन जाओ।"

यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। दूसरे दिन राज्य के प्रधान पंडित संत के पास पहुंचे। संत ने कहा, "अज्ञानी बन जाओ।"

पंडित नाराज होकर लौट आए। इसी तरह जब नगर का सेठ आया तो संत ने आशीर्वाद दिया, "सेवक बन जाओ।"

संत के आशीर्वाद की चर्चा राज दरबार में हुई। सभी ने कहा कि यह संत नहीं, कोई धूर्त है। राजा ने संत को पकड़ कर लाने का आदेश दिया। संत को पकड़कर दरबार में लाया गया। राजा ने कहा, "तुमने आशीर्वाद के बहाने सभी लोगों का अपमान किया है, इसलिए तुम्हें दंड दिया जाएगा।" यह सुनकर संत हंस पड़े।

राजा ने इसका कारण पूछा तो संत ने कहा, "इस राज दरबार में क्या सभी मूर्ख हैं ?"

राजा ने कहा, "क्या बकते हो?" संत ने कहा, "जिन कारणों से आप मुझे दंड दे रहे हैं, उन्हें किसी ने समझा ही नहीं।"

राजा का कर्म है राज्य की सुरक्षा करना। जनता के सुख-दुख की हर वक्त चौकसी करना। सिपाही का काम भी रक्षा करना है, इसलिए मैंने आपको कहा था कि सिपाही बन जाओ। प्रधान पंडित ज्ञानी होता है। जिस व्यक्ति के पास ज्ञान हो, सब उसका सम्मान करते हैं जिससे वह अहंकारी हो जाता है। पर यदि वह ज्ञानी होने के अहसास से बचा रहे तो अहंकार से भी बचा रह सकता है। इसलिए, मैंने पंडित को अज्ञानी बनने को कहा था। नगर सेठ धनवान होता है। उसका कर्म है गरीबों की सेवा करना, इसलिए मैंने उसे सेवक बनने का आशीर्वाद दिया था। संत की बातें सुन राज दरबार में मौजूद सभी लोगों की आंखें खुल गईं। राजा ने संत से क्षमा याचना की।

800 साल पुराना छाया सोमेश्वर महादेव मंदिर जहां सूर्य की किरणें शिवलिंग पर बनाती हैं चमत्कारी छाया

तेलंगाना की राजधानी से लगभग 100 किलोमीटर दूर, नलगोंडा जिले में छाया सोमेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह 800 साल पुराना मंदिर केवल अपनी प्राचीनता के लिए ही नहीं, बल्कि एक अद्भुत और अनसुलझे रहस्य के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

इस मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग पर पूरे दिन एक स्तंभ की छाया मंडराती रहती है लेकिन आज तक कोई भी यह नहीं जान पाया है कि यह रहस्यमय छाया आखिर आती कहां से है।

विज्ञान और वास्तुकला का बेजोड़ संगम

यह मंदिर प्राचीन भारतीय वास्तुकला और विज्ञान की पराकाष्ठा का एक जीवित प्रमाण है। चूंकि यह दक्षिण भारत में शक्तिशाली चोल राजवंशों के संरक्षण में रहा, इसलिए यह उत्तर भारत के मंदिरों की तरह बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमणों का शिकार नहीं हुआ। यही कारण है कि यहाँ की कलात्मकता और वैज्ञानिक चमत्कार आज भी अपने मूल स्वरूप में मौजूद हैं।

क्या है मंदिर का अनसुलझा रहस्य ?

बाहर से यह रहस्य सरल लगता है लेकिन इसके पीछे गहन खगोलीय और वास्तुशिल्प ज्ञान छुपा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग के ठीक सामने कोई स्तंभ नहीं है, फिर भी छाया शिवलिंग पर लगातार पड़ती रहती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्तंभ की छाया शिवलिंग को छूती हुई दिखाई देती है, वह स्तंभ शिवलिंग और सूर्य के बीच में भी नहीं है।

भौतिक विज्ञानियों का मानना है कि मंदिर के बाहरी परिसर में लगे स्तंभों की स्थिति और उनका डिजाइन इतना सटीक है कि वे सूर्य की गति के साथ तालमेल बिठाते हैं। दिन भर सूर्य की रोशनी से इन स्तंभों की अलग-अलग परछाइयां बनती हैं और ये सभी आपसी परछाइयां मिलकर एक अकेली, स्पष्ट छाया बनाती हैं जो सीधे शिवलिंग को स्पर्श करती है।

भौतिक विज्ञानी मनोहर शेषागिरी के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में पूर्व-पश्चिम दिशा की गणना, सूर्य की किरणों का सटीक विश्लेषण, और प्रकाश के परावर्तन के गहन सिद्धांतों का उपयोग किया गया था। प्राचीन कारीगरों ने स्तंभों को इस प्रकार स्थापित किया कि सूर्य दिन के किसी भी समय कहीं भी हो, उससे बनने वाली छाया हमेशा महादेव के लिंग को ही स्पर्श करेगी।

यह मंदिर न केवल एक पवित्र स्थल है, बल्कि एक ऐसी गौरवशाली सभ्यता का प्रतीक है,जहां विज्ञान और आध्यात्म एक-दूसरे के पूरक थे।

800 साल पुराने इस चमत्कार को देखने के लिए आज भी देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु नलगोंडा के इस मंदिर में आते हैं, जो पनागल बस स्टैंड से मात्र 2 किलोमीटर दूर स्थित है। यह छाया आज भी आधुनिक विज्ञान के लिए एक खुली चुनौती बनी हुई है।

सेहत के लिए सबसे खास है कार्तिक मास

कार्तिक मास हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र महीना माना जाता है। यह मास धार्मिक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इस मास में व्रत, पूजा और दान के साथ-साथ खाने-पीने का विशेष ध्यान रखना भी आवश्यक है। पुराणों और धर्मशास्त्रों के अनुसार, कार्तिक मास में शरीर को शुद्ध और स्वस्थ रखना चाहिए ताकि साधना और भक्ति में ऊर्जा बनी रहे।

कार्तिक मास में खाने-पीने के नियम और आहार

कार्तिक मास में शुद्ध और हल्का भोजन करना, मांसाहार से परहेज करना और तुलसी व दुधी पदार्थों का सेवन करना अत्यंत शुभ है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखता है बल्कि आध्यात्मिक प्रगति और भक्ति में भी सहायक होता है। इस मास में शरीर, मन और आत्मा तीनों की शुद्धि करने पर विशेष ध्यान दें।

कार्तिक मास में क्या खाएं

फल और सूखे मेवे: केले, सेब, पपीता, संतरा, नारियल आदि। अखरोट, बादाम, किशमिश और पिस्ता जैसे मेवे। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और व्रत के दौरान कमजोरी नहीं होने देते।

दही और दूध: दूध, दही, लस्सी और पनीर का सेवन लाभकारी होता है। भगवान विष्णु को भी दूध और दूध से बने पदार्थ प्रिय हैं।

साबुत अनाज और हल्के भोजन : चावल, जौ, साबुत गेहूं, रागी आदि। हल्का और सुपाच्य भोजन शरीर को दिनभर सक्रिय रखता है।

समान्य उपवास का खाना : साबूदाना खिचड़ी, उपवास आटे से बने पकवान। आलू, कद्दू, शकरकंद और अरबी का सेवन किया जा सकता है।

तुलसी और पवित्र जड़ी-बूटियां : तुलसी की पत्तियां, हल्दी और जीरा आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

कार्तिक मास में क्या न खाएं

अल्कोहल और मांसाहार: कार्तिक मास में मांस, मछली, अंडा और शराब का सेवन वर्जित है। यह मास शुद्धता और भक्ति का समय है, इसलिए मांसाहारी भोजन से बचना चाहिए।

अत्यधिक मसाले और तेल: तीखे मसाले, तली हुई चीजें और ज्यादा तेल से परहेज करें। हल्का, सुपाच्य और संतुलित भोजन सर्वोत्तम है।

मोटा और भारी भोजन : चॉकलेट, केक, भारी डेजर्ट आदि से परहेज करें। भारी भोजन शरीर को सुस्त कर देता है और भक्ति व साधना में बाधा डाल सकता है।

अशुद्ध या प्रदूषित भोजन : बाहर का असुरक्षित भोजन या बिना पवित्रता के बनाए गए पकवान न लें।

कार्तिक मास में विशेष सुझाव

दिन में 2–3 बार हल्का भोजन संतुलित मात्रा में लें। तुलसी, हल्दी और पवित्र जड़ी-बूटियों का सेवन करके स्वास्थ्य और आध्यात्मिक ऊर्जा दोनों बढ़ाएं। भोजन के बाद थोड़ी देर ध्यान या प्रार्थना करना लाभकारी रहेगा।

कार्तिक मास के लिए डाइट प्लान

सुबह का नाश्ता

फल : केला, सेब, संतरा, पपीता

दूध / दही: 1 ग्लास दूध या ताजा दही

स्नैक्स : साबूदाना खिचड़ी (उपवास के लिए) या अंकुरित मूंग दाल

पानी / जूस: तुलसी-पानी या हल्का नींबू पानी

टिप्सः नाश्ते में हल्का और सुपाच्य भोजन लें। दूध और फलों से दिन की ऊर्जा प्राप्त होती है।

दोपहर का भोजन

मुख्य भोजन : चावल या जौ/साबुत अनाज

आलू, कद्दू, शकरकंद, अरबी की सब्जी (हल्का मसाला)

दाल या मूंग दाल (हल्की और सुपाच्य)

साइड : दही या पनीर की एक छोटी प्लेट

सलाद : खीरा, गाजर, मूली, हरा धनिया

टिप्स : भोजन हल्का और संतुलित रखें। अत्यधिक मसाले और तेल से बचें।

खुद पर भरोसा है : वाणी कपूर

जब पूछा गया कि उसने इसका सामना कैसे किया, तो वाणी ने कहा, एक इंसान को अपने सबसे खराब समय में ही पता चलता है कि वह सच में कौन है । उस वक्त आपको तय करना होता है कि क्या आप नफरत और निराशा में डूब जाएंगे, या कहेंगे 'यह मुझे तोड़ नहीं सकता' । बहुत आसान होता है खुद को पीड़ित समझ लेना और सोच लेना कि सारी बुरी चीजें मेरे साथ ही होती हैं।

वाणी ने बताया कि उसकी आध्यात्मिक सोच ने उसे

इस दौर से बाहर निकलने में मदद की। उसने कहा, मैं आध्यात्मिक भी हूं और जानती हूं कि खुद को कैसे संतुलित रखना है। मुझे अपना काम पसंद है और मुझे बहुत सारा प्यार भी मिला है। बस उस वक्त एक छोटी-सी उम्मीद की किरण चाहिए होती है। बेशक बेचैनी और चिंता होती है ।

आपको हर तरफ से पूर्वाग्रह और फैसले झेलने पड़ते हैं । सोशल मीडिया की वजह से लोग अपने विचार खुलकर रखते हैं, जो कभी - कभी बहुत कठोर भी हो सकते हैं लेकिन मैंने यह सीख लिया है कि शोर में से सही प्रतिक्रिया और रचनात्मक आलोचना को अलग करना जरूरी है । फिर भी, वाणी मानती है कि कभी-कभी नकारात्मकता का असर होता है। उसने कहा, मैं भी उन प्लेटफॉर्म्स पर हूं, और कभी-कभी यह दर्द देती है कि कोई इतना बुरा क्यों होता है पर मैं बेहतर प्रतिक्रिया देना चुनती हूं। खुद से पूछती हूं कि क्या मैं हार मान लूं या आगे बढ़ूं। मैं खुद पर भरोसा करती हूं और लोग भी मुझे सपोर्ट करते हैं। मैं और बेहतर काम चाहती हूं, और यही मेरी प्रेरणा है।

सभी धर्मों में भरोसा, अंधविश्वास में नहीं वाणी की वैब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' आस्था और अंधविश्वास पर आधारित थी । निजी जिंदगी में उसका इन चीजों में कितना भरोसा है, पर उसका कहना है, मैं आध्यात्मिक हूं लेकिन अंधविश्वासी नहीं । सबके ईश्वर का सम्मान करती हूं। मेरे लिए सब धर्म बराबर हैं, सारे भगवान एक हैं। मैं एनर्जी में बहुत यकीन करती हूं। मैं मानती हूं कि पॉजिटिव और नैगेटिव एनर्जी होती हैं और हम जो एनर्जी दुनिया में भेजते हैं, वही हमें वापस मिलती है।

कैसे चुनती है फिल्में

"मेरे पास जो भी ऑफर आते हैं, उनमें से मैं वैसे रोल और किरदार चुनती हूं जिनकी कहानी अपने से जुड़ी लगती है लेकिन बतौर एक्ट्रैस मैं अपने कैरेक्टर को जज नहीं करती।'

करना चाहती है अमृता प्रीतम की बायोपिक

'अमृता प्रीतम की बायोपिक में काम करना चाहती हूं। उनकी जिंदगी बहुत ही फियरलैस लगती है। उस किरदार में एक ईमानदारी है जिसे मैं एक्सप्लोर करना चाहती हूं।

खुद को सजा नहीं देती

'फिट रहने के लिए मैं खुद को सजा नहीं देती। मैं सभी तरह का जंक फूड खाती हूं लेकिन उसे बैलेंस करने के लिए मैं ट्रेनिंग में समय देती हूं। वर्कआऊट आपकी बॉडी के लिए ही नहीं माइंड के लिए भी बहुत अहम है। मैं जिम लवर नहीं हूं लेकिन हां, फिटनैस के लिए कुछ भी करना और एक्टिव रहना जरूरी है।"

अगली फिल्में

वाणी अब सोशल ड्रामा 'सर्वगुण सम्पन्न' और रोमांटिक कॉमेडी 'बदतमीज गिल' जैसी फिल्मों में दिखेगी।

एक इंसान को अपने सबसे खराब समय में ही पता चलता है कि वह सच में कौन है। उस वक्त आपको तय करना होता है कि क्या आप नफरत और निराशा में डूब जाएंगे, या कहेंगे 'यह मुझे तोड़ नहीं सकता ।' इस वर्ष वाणी कपूर ने अपनी प्रोफैशनल जिंदगी में कई तरह की भावनाओं का सामना किया। जहां उसे 'रेड 2' और 'मंडला मर्डर्स' के लिए खूब तारीफें मिलीं, वहीं 'अबीर गुलाल' के विवाद के कारण उसे काफी ट्रोलिंग और आलोचना का भी सामना करना पड़ा।

देश की पहली सुपरवूमन 'कल्याणी प्रियदर्शन'

हाल में रिलीज हुई मलायलम फिल्म ' लोकाः चैप्टर 1- चंद्रा' एक डार्क फैंटेसी सुपरहीरो ड्रामा है जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। महज 30 करोड़ रुपए के बजट में बनी फिल्म ने लगभग 300 करोड़ रुपए का बिजनैस कर लिया है जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी।

इसे डोमिनिक अरुण ने डायरैक्ट और दुलकर सलमान ने प्रोड्यूस किया है । इसमें लीड रोल किया है कल्याणी प्रियदर्शन ने और वह इस फिल्म के साथ ही भारत की पहली सुपरवूमन बन गई है।

वह मशहूर डायरैक्टर प्रियदर्शन की बेटी है जिन्हें 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'भूल भुलैया', ' भागम भाग' जैसी आइकॉनिक फिल्मों के लिए जाना जाता है।

कल्याणी ने अब तक के करियर में महज 7 फिल्में की हैं। एक तो अपनी एक्टिंग और दूसरी खूबसूरती के कारण, उसने सबका दिल जीत लिया है। कल्याणी ने भले ही फिल्म 'हैलो' से 2017 में एक्टिंग में डेब्यू किया हो लेकिन उसे असल पहचान मिली 2022 की हिट फिल्म 'हृदयम' से । और अब 'लोका : चैप्टर 1- चंद्रा' में एक नेकदिल 'वैम्पायर' के रोल ने कल्याणी का पूरा करियर ही पलट दिया है । इसी के साथ वह बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली मलयालम एक्ट्रेस बन चुकी है।

कल्याणी ने साऊथ से पहले बॉलीवुड में भी काम किया था । वह ऋतिक रोशन की फिल्म 'कृष 3' में असिस्टैंट प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में काम कर चुकी है।

'लोका चैप्टर 1 : चंद्रा' की कहानी न केवल इस पर आधारित है कि अलौकिक और जादुई शक्तियों वाले लोग हमारे बीच रहते हैं, बल्कि इसकी सारी कहानी एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है। जब कल्याणी से पूछा गया कि क्या वह इसे भारतीय युवतियों को प्रेरित करने वाली चीज के रूप में देखती है, वह कहती है, अगर ऐसा है, तो यह वाकई इस सबका सबसे संतोषजनक हिस्सा होगा। मैं खुद को प्रेरित करने वाली महिला नहीं मानती मैं बस एक किरदार को निभा रही थी जिसकी कहानी सुनाने के लिए मैं उत्साहित थी - लेकिन अगर युवतियां चंद्रा को देखती हैं और अपने अंदर थोड़ी और संभावना महसूस करती हैं, तो यह और भी खास हो जाता है ।'

आगे की योजना

अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर वह कहती है कि एक अभिनेत्री के रूप में वह और भी कई पहलुओं को तलाशने की उम्मीद करती है ।

उसके अनुसार, मैं एक लालची अभिनेत्री हूं। मैं वह सब कुछ करना चाहती हूं जो मुझे उत्साहित करे, चाहे वे छोटी फिल्में हों जिनमें छोटे कलाकार हों, बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर हों, प्यारी प्रेम कहानियां हों या फिर जीवन से भी बड़ी दुनियाओं वाली कहानियां ।

मेरा ध्यान हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने पर रहता है जो मुझे चुनौती देती हैं और दर्शकों को अलग- अलग तरह की दुनियाओं में खींच लाती हैं। 'लोका' ने मुझे खुद को आगे बढ़ाने और उस तरह के काम के प्रति समर्पित रहने का आत्मविश्वास दिया है जो मैं वास्तव में करना चाहती हूं।

अगली फिल्म कल्याणी की अगली फिल्म 'मार्शल' है जिसमें साऊथ का लोकप्रिय हीरो कार्थी उसके साथ है।

सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को दी खास सलाह

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने अपनी स्टूडेंट लाइफ को लेकर आज के छात्रों को खास सलाह दी और बताया कि उन्होंने आखिर एक छात्र के रूप में क्या कुछ सीखा और यह सबकुछ उनके लिए क्या मायने रखता है।

सामंथा का पोस्ट

सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सामंथा ने कहा, 'मेरे स्कूल के दिनों की बहुत सारी यादें हैं, लेकिन आजकल के छात्रों का तनाव सुनकर दुख होता है। मुझे लगता है कि अच्छे नंबर सब कुछ नहीं हैं। स्कूल में सबसे अच्छी चीज दोस्ती, दूसरों का सम्मान और दया सीखा था।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने स्कूल में किताबी बातें भूल गईं, लेकिन ये गुण आज भी मेरे काम आते हैं। ये जीवन के लिए सबसे जरूरी हैं।' फिर सामंथा ने 2023 की एनसीआरबी रिपोर्ट शेयर की, जिसमें बताया गया कि महाराष्ट्र में छात्रों की आत्महत्याओं के सबसे ज्यादा मामले हुए। उन्होंने इस पर दिल टूटने वाली इमोजी लगाई।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा रुथ प्रभु नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'मां इंति बंगाराम' में नजर आएंगी। वह वेब सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' के सीजन 2 में भी नजर आएंगी। वह 'द फैमिली मैन' और 'सिटाडेलः हनी बनी' के निर्देशक राज और डीके के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। 'रक्त ब्रह्मांड' में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, और वामिका गब्बी जैसे कलाकारों नजर आएंगे।

शादी करने से लगता है डर : श्रुति हासन

श्रुति हासन अपने अभिनय के साथ का ख्याल मुझे बहुत डरावना अंग लगता है। बस यही है । लेकिन, लोकप्रिय है । वह बेबाकी से अपनी सर्जरी को लेकर बात करती है तो अपनी पर्सनल लाइफ पर भी चर्चा करने से झिझकती नहीं है । कमल हासन और सारिका की यह बड़ी बेटी 39 साल की हो चुकी है और उसकी छोटी बहन अक्षरा हासन की उम्र 33 साल है। दोनों ने ही अभी तक शादी नहीं की है।

श्रुति कई इंटरव्यूज में शादी को लेकर बात करती हुई नजर आई है। श्रुति के अनुसार उसे रिलेशनशिप्स अच्छे लगते हैं, वह रोमांस से भी लगाव रखती है लेकिन वह किसी से 'बहुत ज्यादा जुड़ने से डरती है ।

हाल ही में जब यू-ट्यूबर रणवीर अलाहबादिया ने अपने पॉडकास्ट में उससे इस बारे में पूछा तो शादी न करने को लेकर उसने खुल कर बात की और कहा, मैंने अपने दम पर यह सब हासिल करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी बहुत मेहनत की है, इसे एक कागज के जरिए किसी और से जोड़ने मैं कमिटमेंट में विश्वास रखती हूं, मैं वफादारी में विश्वास रखती हूं, और मैं उन सभी खूबसूरत चीजों में विश्वास रखती हूं जिनका शादी को प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

श्रुति से जब प्रश्न किया गया कि क्या वह कभी शादी करने के करीब आई है या शादी करने वाली थी तो उसने कहा, हां, लेकिन शादी नहीं हुई ।

उसने बताया कि इसमें उसकी गलती नहीं थी । उन दोनों में कम्पैटेबिलिटी नहीं थी क्योंकि दोनों की भविष्य से उम्मीदें अलग थीं। वहीं बच्चों को लेकर भी उसने बताया कि वह हमेशा से मां बनना चाहती थी, लेकिन वह सिंगल मदर नहीं बनना चाहती ।

बहुत खुश हूं प्रोड्यूसर बन कर : हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' हाल ही में टोरंटो इंटरनैशनल फिल्म फैस्टिवल (टिफ) 2025 में प्रदर्शित हुई। इस फैस्टिवल में पहली बार नजर आई हुमा ने सिर्फ इस फिल्म में एक्टिंग ही नहीं की है, बल्कि वह इसकी एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी है।

हुमा ने बताया कि उसने इस फिल्म को क्यों चुना, यह फिल्म मुझे बहुत पसंद आई क्योंकि यह एक भारत - केंद्रित कहानी है लेकिन इसे वैश्विक तरीके से बताया गया है। मुझे खुशी है कि यह फिल्म 'टिफ' और बुसान इंटरनैशनल फिल्म फैस्टिवल्स में दिखाई जा रही है । मैं हमेशा से एक ग्लोबल करियर चाहती थी, जिसमें भारतीय कहानियां पूरी दुनिया तक पहुंचें।

टोरंटो में हुमा का शैड्यूल काफी व्यस्त रहा । उसने कहा, "मैंने कई देशों के कलाकारों से मुलाकात की। आने वाले समय में फिल्मों का भविष्य क्रॉस कल्चरल कोलैबोरेशन में है और 'टिफ' जैसे फैस्टिवल इसे संभव बनाते हैं ।

हुमा ने हाल ही में अपने भाई साकिब सलीम के साथ अपनी प्रोडक्शन कंपनी भी शुरू की। इस अनुभव के बारे में उसने कहा, "प्रोड्यूसर बनना मेरे लिए गेम चेंजर साबित हुआ । इसने मुझे फिल्म बनाने की प्रक्रिया को समझाया और विनम्रता का महत्व भी समझाया है।

प्रोड्यूसर बनने की वजह : निराशा और अवसरों की कमी

भाई बहन हुमा और साकिब ने प्रोड्यूसर बनकर अपनी कहानियां खुद बताने का फैसला किया है, बजाय इसके कि अच्छे प्रोजैक्ट्स का इंतजार करते रहें। हुमा कहती है कि उन दोनों को फिल्म इंडस्ट्री से बहुत लगाव है, लेकिन प्रोडक्शन की तरफ बढ़ने का कारण उनकी अपनी जिंदगी की सीखें हैं। उसने कहा, हम दोनों पहली पीढ़ी के प्रोड्यूसर बनकर बहुत खुश हैं । यह कदम कहीं न कहीं शुरुआती दौर की निराशा से आया, जब हमें अच्छा मौका नहीं मिलता था। मैं सोचती थी कि मैं और भी बेहतर कर सकती हूं। एक एक्ट्रैस के तौर पर मैं तब ही साबित हो सकती हूं, जब मुझे काम मिलेगा।

39 साल की हुमा ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'डेढ़ इश्किया', 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया है। उसने कहा कि अब वह अपनी कहानियां खुद बनाना चाहती है, न कि सिर्फ इंतजार करना या खुद कोदुखी महसूस करना।

उसने कहा, हमने बहुत समय इंतजार करते हुए बिताया। कई बार प्रोड्यूसरों के पास जाकर उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए, जो बहुत तकलीफदेह था । मुझे लगता है कि हमारे परिवार में वह 'कुरैशी जीन' है जो 'न' सुनकर हार नहीं मानता। हम कभी खुद को शिकार नहीं बनने देते। इंडस्ट्री को बेहतर बनाने का सपना अब जब वे दोनों भाई-बहन खुद निर्माता बन गए हैं, हुमा बताती है कि वे अपनी प्रोडक्शन कंपनी को एक अच्छा और सहायक स्थान बनाना चाहते हैं । उसने कहा, "मैं नहीं चाहती कि हम उन गलतियों को दोहराएं, जो हमने दूसरों को करते देखा है।

कैप्टन शशि कांत मेमोरियल टूर्नामेंट का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोशिएशन गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में मानव सेवा समिति, एनपीडीए, एनईए, नोएडा स्पोर्ट्स ट्रस्ट और बीएस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित नोएडा विधायक पंकज सिंह की अध्यक्षता और नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ लोकेश एम. की उपस्थित में 25वें कप्टेन शशि कांत मेमोरियल टूर्नामेंट का आगाज हुआ। उद्घाटन समारोह में मंच पर कैप्टेन शशि कांत शर्मा के पिता फ्ला. लेफ्टिनेंट जे.पी. शर्मा, माता जी सुदेश शर्मा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित दुर्गा बिल्डवेल के जितेंद्र शर्मा, एलेक्सर ग्रुप के राजीव शर्मा, बॉडी केयर के संजय डावर, कार्यक्रम अध्यक्ष नैवेद्य शर्मा, कमिटी अध्यक्ष एड. अमित खेमका के अतिरिक्त कामधेनु ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ नरेश शर्मा, एन ई ए के अध्यक्ष विपिन मल्हन, फ़ोनरवा चेयरमैन योगद्र शर्मा ने इतने लंबे समय तक चलने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए आयोजकगण की प्रसंशा की और बलिदानी कैप्टेन शशिकांत शर्मा को अपनी श्रद्धाजलि अर्पित की। अंत में कैप्टेन शशि कांत के भाई डॉ व प्रोफेशर नरेश शर्मा ने सभी अतिथि और नगरवासियों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया।

नोएडा विधायक पंकज सिंह और नोएडा प्राधिकरण के सी ई ओ लोकेश एम. ने रिबन काटा और क्रिकेट पिच पर जाकर पंकज सिंह को बॉल की जिसे उन्होंने बेहतरीन शॉट के द्वारा कवर बाउंड्री के पार कर दिया और आज के मैच का टॉस कराकर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान टूर्नामेंट के स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर सुभाष शर्मा, आजाद सिंह, सचिव अमन भारद्वाज, कोषाध्यक्ष एम.एल. शर्मा, सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर शुभम भारद्वाज, डीसीए के उपाध्यक्ष के. एल. तेजवानी, एनपीडीए के अध्यक्ष भूपेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष आजाद सिंह, अतुल गौड़, महेश द्विवेदी, आर के शर्मा, दीपक संखधार, जीसी शर्मा, फ़ोनरवा के सतनारायण गोयल, राजीव अग्रवाल, विजय भाटी, के के जैन, एस के सरीन, राकेश शर्मा, अनु ख़ान, सुबोध सहाय, डॉ अशोक श्रीवास्तव, मुन्ना शर्मा, सरदार मंजीत सिंह, चाचा हिंदुस्तानी सुभाष चंदेल, सुरेश शर्मा, प्रदीप वोहरा, एड दुष्यंत तोमर, शिवा भारद्वाज, सुरेखा शर्मा, पारुल भारद्वाज, समीक्षा शर्मा, आदित्य भारद्वाज आदि मौजूद थे।

धारा-10 को लेकर विधायक से मिला सेक्टर-22 का प्रतिनिधिमंडल

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए रेजिडेंट्स कल्याण महासमिति सेक्टर-22 के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सेक्टर-22 निवासियों का एक प्रतिनिधि मंडल धारा-10 हटवाने हेतु विधायक पंकज सिंह से मिला।

इस मौके पर अब नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा नई पॉलिसी बनाने तक निवासियों को धारा-10 का कोई नया नोटिस जारी नहीं होगा। विधायक ने कहा कि धारा-10 से संबंधित कोई परेशानी होने पर में हमेशा जनता के साथ खड़ा रहूंगा आप मेरे पास आ जाएं। विधायक ने कहा कि मैंने धारा-10 से संबंधित समस्या को मुख्यमंत्री के सम्मुख प्रस्तुत कर दिया है। शीघ्र ही समस्या का समाधान निकालने की उम्मीद है।

मकान की ऊंचाई बिना पार्किंग के 15 मीटर तथा पार्किंग सहित 17.5 मीटर करने के संदर्भ में पंकज सिंह ने नोटिफिकेशन की प्रतिलिपि मांगी हैं। ऊंचाई बिना पार्किंग 15 मीटर तथा पार्किंग सहित 17.5 मीटर करने के लिए कार्रवाई करेंगे।

नोएडा सिटिज़न फ़ोरम में विधायक ने सुनी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सिटिज़न फ़ोरम (NCF) कार्यालय में 'अपनी बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नोएडा के लोकप्रिय एवं ऊर्जावान विधायक पंकज सिंह का हार्दिक स्वागत किया गया।

इस अवसर पर फ़ोरम के सदस्यों ने नोएडा की विभिन्न जनसमस्याओं एवं अपने सुझावों को विधायक जी के समक्ष रखा।

विधायक पंकज सिंह ने सभी मुद्दों के समाधान हेतु पूर्ण सहयोग एवं त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर NCF के सेक्रेटरी जनरल प्रशांत त्यागी, कार्यकारी अध्यक्ष इंद्राणी मुखर्जी, संरक्षक शालिनी सिंह, कोषाध्यक्ष राहुल मुंद्रा, सचिव अंकित अरोड़ा, चक्रधर मिश्रा, सचिव गरिमा त्रिपाठी, सत्यम पांडे, निशांत भार्गव, शशि मिश्रा, अरविन्द भाटी एवं कमल कौशिक सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जगह-जगह हुआ आरएसएस का पथ संचलन

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 150 पथ संचलन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत 5 अक्टूबर को नोएडा के विभिन्न 35 स्थानों पर कार्यक्रम संपन्न हुए।

इन कार्यक्रमों में 4000 से अधिक स्वयंसेवकों ने (जिनमें 600 से अधिक बाल स्वयंसेवक थे) पूर्ण गणवेश में भाग लिया। संचलन कार्यक्रमों को देखने के लिए लगभग 8,000 से अधिक लोग दर्शक दीर्घा में उपस्थित रहे। सभी कार्यक्रम स्थल पर संघ के 100 वर्षों की यात्रा को दर्शाते हुए प्रदर्शनी लगाई गई थी। इसी श्रृंखला में एक कार्यक्रम का आयोजन बहलोलपुर में चंदगीराम ने कार्यक्रम किया तथा पथ संचलन किया गया। पार्थला गाँव, श्रमिक कुंज, सेक्टर-122 में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्मवीर यादव ने की तथा मुख्य बौद्धिक श्याम किशोर द्वारा दिया गया।

सेक्टर-121 स्थित क्लिओ काउंटी में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती कमल ढींगरा और बौद्धिक विभाग प्रचारक चिरंजीव के द्वारा हुआ।

जलवायु विहार सेक्टर-25 में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता वायु सेना से सेवानिवृत ग्रुप कैप्टन कपिल शुक्ला ने की।

सेक्टर-31 में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रिगेडियर आदर्श भारद्वाज ने की। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए महानगर आईटी प्रमुख मनीष गुप्ता ने संघ के 100 वर्षों के यात्रा की विस्तृत जानकारी दी।

'हम सब मिलकर बनाएंगे सेंचुरी को शहर की नं.-1 सोसायटी'

नोएडा (चेतना मंच)।

सेक्टर-100 सेंचुरी अपार्टमेंट की वार्षिक आम सभा हर्षोल्लास एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

सभा का शुभारंभ अध्यक्ष पवन यादव द्वारा सभी निवासियों के स्वागत के साथ हुआ। बैठक प्रारंभ होने से पूर्व सोसायटी की मृत एवं पुण्य आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कमेटी में सम्मिलित किए गए सदस्यों का निवासियों से परिचय कराया गया, निवासियों द्वारा कमेटी के कार्यों को सराहा गया।

महासचिव दिलीप मिश्रा ने पिछले वर्ष के कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों की रूपरेखा रखी।

कोषाध्यक्ष ओमवीर सिंह ने ऑडिट एवं बैलेंस शीट प्रस्तुत की, जिस पर निवासियों ने बैंक चार्ज, विकास कार्य, सुरक्षा भुगतान आदि विषयों पर प्रश्न पूछे। सभी बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और सर्वसम्मति से रिपोर्ट को ध्वनिमत से पारित किया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से मदन, विनोद, आलोक, शेषनाथ, सुबोध, प्रवीण, मिथलेश, नरेश, राजीव, अजय, मृत्युंजय, रेखा, सरोज, रानी, सिया, पवित्रा, प्रमोद, प्रतीक, मृदुल, अम्बा, उम्मेद सिंह, आनंद स्वरूप, गोपाल, राकेश, रामकुमार, प्रमोद, विकास, मजीत, दीपक, अजयपाल, शारदा, आशीष, विपुल, प्रशांत, कर्मजीत, श्याम सिंह, दिव्य प्रकाश, श्याम सुंदर सहित दर्जनों निवासी मौजूद रहे।

पंचमानंद महाराज ने राम जन्म की कथा सुनाई

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-12 में आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने नारद मोह, जय विजय श्राप एवं राम जन्म की भावपूर्ण कथा सुनाई। नारद जी भगवान की तपस्या में रत हैं ऐसे में कामदेव उनकी तपस्या भंग करने का प्रयास करता है लेकिन तपस्या भंग नहीं कर पाता है। नारद को अभिमान हो जाता है और वह इस बात को ब्रम्हा जी, शिव जी और विष्णु भगवान को बताते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से उनका अहंकार नष्ट कर देते हैं। कथा व्यास ने राम जन्म का रोचक प्रसंग सुनाया। राजा दशरथ के कोई संतान नहीं है इससे चिंतित हो जाते हैं। गुरु से परामर्श के बाद श्रृंगी ऋषि पुत्रेष्टि यज्ञ कराते हैं जिसमे अग्निदेव खीर लेकर प्रकट होते हैं। उस खीर को तीनों रानियों में बांट दिया जाता है। समय आने पर महारानी कौशल्या के गर्भ से राम, सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न और कैकई से भरत का जन्म होता है। अयोध्या में खुशिओं की लहर दौड़ जाती है। राजा दशरथ दोनों हाथों से राज्य के लोगों को दान देते हैं। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने धूमधाम के साथ राम जन्मोत्सव मनाया। साथ ही संगीत की मधुर ध्वनि पर जमकर नृत्य किया।

इस अवसर पर श्रीराम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 6 अक्टूबर को बाल लीला, विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर सभी सेक्टरवासी भक्त गण मौजूद रहे।